C M Y K

आज का विचार

खुश रहना है तो जिन्दगी के फैसले अपनी परिस्थिति देखकर ही लें, दुनिया को देखकर जो फैसले लेते हैं वह हमेशा दुखी रहते हैं।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-25 अंक-166 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

बैकुण्ठपुर गुरूवार 26 जून, 2025

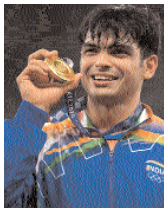

लटोरी विद्युत सब स्टेशन के ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी से घंटों बाधित हुई आपूर्ति

नीरज चोपड़ा ने रचा इतिहास, ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक डेब्यू में जीता गोल्ड मेडल

कुल्लू में 3 जगह बादल फटा, 3 लोग बहे:वायनाड में भारी बारिश से बाढ़ का अलर्ट, पिछले साल 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई

◆ मुख्यमंत्री साय के निर्देश, किसानों को उनकी मांग के अनुरूप सुगमता से मिले खाद-बीज ◆ किसानों को 6.58 लाख मीट्रिक टन खाद और 3.68 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित ◆ राज्य में 6.04 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की हो चुकी है बोनी

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ

हिमाचल प्रदेश में बुधवार को भारी बारिश हो रही है। कुल्लू जिले में ३ जगह सैंज घाटी के जीवा नाला, गढ़सा घाटी के शिलागढ़ और बंजार के होरनगढ़ में बादल फटा। इसके कारण कई जगह बाढ़ की स्थिति बनी है। बाप-बेटी समेत ३ लोग पानी में बह गए।

उधर, उत्तराखंड के हल्द्वानी में बुधवार सुबह एक कार नहर में गिर गई। ७ लोगों में ४ की मौत हो गई। इनमें तीन दिन का बच्चा भी शामिल है।

जम्मू में मंगलवार रात हुई भारी बारिश के चलते तवी नदी उफान पर है। इसमें एक शख्स फंस गया। स्थक्रस्न के लोगों ने सीढ़ी के सहारे उसका रेस्क्यू किया।

गुजरात के सूरत का अधिकांश हिस्सा बाढ़ की चपेट में है। कई सोसाइटी में पानी भर गया। लोगों को ट्रैक्टर के जरिए रेस्क्यू किया गया। परवत पाटिया इलाके में ५ फीट से ज्यादा पानी भरा हुआ है।

यहां बीमार बुजुर्ग को स्ट्रेचर पर लिटाकर पानी से निकालकर एम्बुलेंस तक ले जाया गया। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी तेज बारिश का अलर्ट है।

केरल के वायनाड के आज सुबह से तेज बारिश हो रही है। चूरलमाला में बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। पिछले साल मुडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला समेत दूसरे इलाकों में लैंडस्लाइड में ३६९ लोगों की मौत हुई थी।

हरियाणा के ९ जिलों रेवाड़ी, अंबाला, यमुनानगर, करनाल, कैथल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, झज्जर व हिसार में आज तेज बारिश जारी है। यमुनानगर में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। यहां सोम नदी उफान पर है। ६ से ७ गांवों में पानी घुस गया है।

राज्य में अगले ७ दिन बारिश के आसार हैं। २५-२६ जून के लिए ऑरेंज अलर्ट है।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में बादल फटने से जीवा नाला में बाप-बेटी समेत ३ लोग बह गए। कुल्लू के छ्ष्ट तोरुल एस रवीश ने बताया कि सर्च ऑपरेशन चलाया गया है। बाढ़ में ८ गाड़ियां भी बहीं हैं। ४ घर क्षतिग्रस्त हो गए। एक सरकारी स्कूल में पानी भर गया।

वायनाड के चूरलमाला में लोगों ने तेज आवाज सुनी

केरल के वायनाड जिले के मुंडक्कई-चूरलमाला में बाढ़ का अलर्ट है। यहां और आसपास के दूसरे गांवों में तेज बारिश जारी है। चूरलमाला के लोगों के मुताबिक आज सुबह तेज आवाज सुनाई दी। ऊंचाई वाली इलाके से गाढ़ी दलदली मिट्टी बहती नजर आई। पिछले साल भी ऐसी की स्थिति बनी थी। तब यहां ३०० से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। लोगों ने कहा कि पहाड़ पर अभी कोई बड़ी दरार नजर नहीं आई है, लेकिन लैंडस्लाइड का डर बना हुआ है।

पहला कॉलम

पंजाब कांग्रेस में घमासान, परगट सिंह व कुशलदीप सिंह का इस्तीफा

फरीदकोट,25 जून (ए)। लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर हाल ही में हुए उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार भारत भूषण आशु की हार के बाद कांग्रेस पदाधिकारियों के इस्तीफे का दौर शुरू हो गया है. इसको लेकर पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी एक बार फिर से चर्चा में आ गई है.

इसी क्रम में पंजाब कांग्रेस के दो प्रदेश उपाध्यक्षों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है. इसको पंजाब प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता है. जानकारी के अनुसार, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व हॉकी खिलाड़ी परगट सिंह और फरीदकोट से पूर्व विधायक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष कुशलदीप सिंह किक्की ढिल्लों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया. दोनों नेताओं ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को अपना इस्तीफा भेज दिया है.

वहीं कुशलदीप सिंह के मोबाइल नंबर पर उनके पद से इस्तीफे की पुष्टि के लिए कई बार संपर्क किया गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. कुशलदीप सिंह के मोबाइल और व्हाट्सएप कॉल प्राप्त करने वाले व्यक्ति ने कहा कि ढिल्लों साहब इस समय देश से बाहर हैं. इस्तीफे के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है.

कुछ अलग

रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 4 लोगों की मौत

नई दिल्ली ,25 जून (ए)। दिल्ली के रिठाला में एक बहुमंजिला फैक्ट्री में भीषण आग लग गई. जिसके बाद पूरे इलाके में काले धुएं का गुबार छा गया. जिसपर करीब 15 घंटे के बाद भी पूरी तरह आग पर काबू नहीं पाया जा सका है. इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है. अभी भी दमकल विभाग के कर्मचारी आग बुझाने में लगे हुए हैं. फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है. बताया जा रहा है कि ये कैमिकल फैक्ट्री थी इसलिए आग इतनी भयानक लगी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया. आग ने कुछ ही समय में पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया.

दरअसल, मिली जानकारी के अनुसार रिठाला इलाके में एक फैक्ट्री में मंगलवार शाम को करीब सवा सात बजे आग की सूचना मिली. आग ने पूरी इमारत को ही आगोश में ले लिया. सूचना के बाद मौके पर दमकल विभाग की कई गाड़ियां पहुंची. सूचना पर पहुंची दमकलकर्मियों ने आग बुझाने की कवायद शुरू कर दी. आग पर काबू पाने के लिए मौके पर दमकल को करीब 16 गाडि?ां पहुंची, जिनकी मदद से दमकलकर्मियों को आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मियों को घंटों मशक्कत करनी पड़ी.अभी तक पूरी तरह से नहीं बुझ सकी है जेसीबी की मदद से फैक्ट्री की दीवार को तोड़ा जा रहा है. ताकि दूसरी तरफ भी आग को बुझाया जा सके.

खरी-खरी

जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध गतिविधि, सेना ने की गोलीबारी

जम्मू,25 जून (ए)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सुरक्षा बलों की मुस्तैदी से एक बार फिर बड़ा खतरा टल गया. सेना के जवानों ने एलओसी के पास अग्रिम इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद गोलीबारी की. जबकि सुरक्षा बलों ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ, सांबा और कठुआ जिलों में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर तलाशी ली. रिपोर्ट के अनुसार राजौरी के अग्रिम इलाके में मुस्तैद सुरक्षा बलों ने सुबह के समय घने पेड़ों की आड़ में संदिग्ध गतिविधि देखी. इसमें तीन से चार लोगों के शामिल होने का संदेह था. जवानों ने दो दर्जन से अधिक राउंड फायरिंग की और साथ ही तलाशी अभियान भी चलाया. इस दौरान ड्रोन भी तैनात किए. हालांकि, संदिग्ध लोगों का कोई सुराग नहीं मिला. अधिकारियों के अनुसार स्थानीय पुलिस, सीआरपीएफ और राष्ट्रीय राइफल्स के विशेष अभियान समूह ने भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सुबह करीब छह बजे पुंछ जिले के कई इलाकों में खासकर सुरनकोट, मेंढर में सर्च ऑपरेशन चलाया. यह अभियान सुरनकोट के सारी, उस्तान, पठानखोर, लोहार मोहल्ला, चांदीमढ़, फागल, हरि टॉप और कागवाली, मेंढर के लिम्बा और उच्चद तथा कल्लर-गुरसाई में चलाया गया, लेकिन किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया. जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सुरक्षा बलों की मदद से कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे कई इलाकों में भी तलाशी ली. इस बीच उधमपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आमोद नागपुरे ने मंगलवार को कश्मीर घाटी में 3 जुलाई से शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए नियुक्त पुलिस अधिकारियों के लिए एक व्यापक ब्रीफिंग सत्र की अध्यक्षता की. इस सत्र के दौरान जिन प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई, उनमें जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग सहित संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा उपायों को बढ़ाना, प्रभावी यातायात विनियमन और आपात स्थितियों के लिए आकस्मिक योजनाएं शामिल थी. उन्होंने कहा कि अधिकारियों को तीर्थयात्रियों को समय पर सहायता प्रदान करने और आपदा प्रबंधन टीमों के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए हैं.

एक्सिओम-4 मिशन की सफल लॉन्चिंग पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी शुभांशु शुक्ला को बधाई

नईदिल्ली,25 जून (ए)। शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) ले जाने वाला एक्सिओम-4 मिशन सफलतापूर्वक लॉन्च हो गया है। अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से यह मिशन स्पेस-एक्स के फाल्कन-9 रॉकेट की मदद से रवाना हुआ। भारत, अमेरिका, हंगरी और पोलैंड के कुल 4 अंतरिक्ष यात्री इस मिशन का हिस्सा हैं। ग्रुप कैप्टन शुक्ला को इस मिशन में पायलट की भूमिका मिली है। इस मिशन की लॉन्चिंग के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीम को एक्स पोस्ट में शुभकामनाएं दीं।

एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम इस अंतरिक्ष मिशन की सफल लॉन्चिंग का स्वागत करते हैं, जिसमें भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं।

शुभांशु शुक्ला के साथ एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च, पहली बार कोई भारतीय आईएसएस पहुंचेगा

नईदिल्ली,25 जून (ए)। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंतरिक्ष ले जाने वाला एक्सिओम-4 मिशन कई बार टलने के बाद आज (25 जून) आखिरकार सफलतापूर्वक लॉन्च हो गया है। इस मिशन को स्पेस-एक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से आज दोपहर 12:01 बजे फ्लोरिडा से लॉन्च किया गया। यह यान 26 जून की शाम लगभग 04:30 बजे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से जुड़ जाएगा। इस मिशन के जरिए 41 साल बाद भारत का कोई नागरिक अंतरिक्ष में गया है। एक्सिओम-4 मिशन अमेरिका की निजी कंपनी एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित एक व्यावसायिक मिशन है। इसमें नासा और स्पेस-एक्स का भी सहयोग है। इस मिशन में 4 (भारत, अमेरिका, पोलैंड और हंगरी) से अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। इसका उद्देश्य 14 दिन तक स्पेस स्टेशन पर रहकर विभिन्न वैज्ञानिक, तकनीकी और जैविक प्रयोग करना है। यह मिशन अंतरिक्ष में इंसानों की मौजूदगी और विज्ञान के भविष्य को लेकर कई अहम जानकारियां देगा।

यह मिशन भारत के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि पहली बार कोई भारतीय आईएसएस तक जाएगा। इससे पहले राकेश शर्मा 1984 में सोवियत मिशन से गए थे, लेकिन वह आईएसएस पर नहीं पहुंचे थे। शुक्ला की यह उड़ान भारत की बढ़ती अंतरिक्ष क्षमताओं और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का प्रतीक है। यह मिशन भारत की वैज्ञानिक सोच को नई ऊंचाई देगा और युवाओं को अंतरिक्ष क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

इस मिशन के दौरान सभी अंतरिक्ष यात्री विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और कृषि से जुड़े कई अहम प्रयोग करेंगे। इनमें टार्डिग्रेड्स जैसे सूक्ष्मजीवों की जीवन क्षमता और सायनोबैक्टीरिया के जरिए ऑक्सीजन निर्माण की संभावनाओं का अध्ययन शामिल है।

ईरान ने माना- हमारे परमाणु ठिकानों को नुकसान पहुंचा:ट्रम्प बोले- न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू किया तो फिर अटैक करेंगे; हमारे हमलों से जंग रुकी

तेहरान/तेल अवीव

ईरान ने मान लिया है कि २२ जून को अमेरिकी हमलों से उसके परमाणु ठिकानों को काफी नुकसान पहुंचा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने बुधवार को इसकी पुष्टि की है। अल जजीरा से बात करते हुए बाघई ने कहा कि अमेरिकी बस्टर बमों के हमले असरदार थे और उससे परमाणु ठिकानों को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, बाघई ने नुकसान की डिटेल जानकारी नहीं दी। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नीदरलैंड में नाटो समिट में मीडिया से कहा कि ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के कारण १२ दिनों तक चली ईरान-इजराइल जंग रुकी। उन्होंने कहा, '१२ दिनों के दौरान ईरान नर्क से गुजरा, जिसके कारण उसे परमाणु हथियार बनाने की इच्छा छोड़नी पड़ी। अगर ईरान ने फिर से न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू किया तो हम फिर हमला करेंगे।'

अमेरिकी मीडिया हाउस सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स ने दावा किया है कि अमेरिकी हमलों से ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम पूरी तरह से तबाह नहीं हुआ है। बस कुछ महीनों के लिए पिछड़ गया है।

यह दावा एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट के आधार पर किया गया है। हालांकि, ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर इन मीडिया रिपोर्ट्स को 'फर्जी खबरें' करार दिया।

इजराइल ईरान में १२ दिन के बाद सीजफायर इजराइल-ईरान के बीच जंग के १२वें दिन, मंगलवार को सीजफायर हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने सबसे पहले कल सुबह ३:३० बजे सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सीजफायर की जानकारी दी थी।

बाद में दोनों देशों ने इसकी पुष्टि की और जंग में अपनी-अपनी जीत का दावा किया। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ इजराइल ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है, जो पीढ़ियों तक याद रखी जाएगी।

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश न्यूक्लियर प्रोग्राम बंद नहीं करेगा। उन्होंने कहा- 'हमने इस तकनीक को हासिल करने के लिए बहुत मेहनत की है। हमारे वैज्ञानिकों ने बलिदान दिए हैं।' ईरान की राजधानी तेहरान में कल विक्ट्री सेलिब्रेशन प्रोग्राम भी आयोजित किया गया था।

नेतन्याहू ने ट्रम्प को धन्यवाद दिया, अमेरिकी राष्ट्रपति ने तारीफ की थी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर इजराइली हमलों की तारीफ करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद दिया। नेतन्याहू ने एक्स पर एक पोस्ट में ट्रम्प का हेग में नाटो शिखर सम्मेलन में मीडिया से बात करते एक वीडियो शेयर किया है। ट्रम्प ने आज नाटो सम्मेलन में कहा था कि इजरायली पीएम को ईरान के खिलाफ अपने ऑपरेशन के लिए खुद पर बहुत गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे इजराइल पर गर्व है क्योंकि कल उसने ईरान पर हवाई हमला न करने की मेरी अपील के बाद विमान वापस बुला लिए थे। इससे सीजफायर टूट सकता था।'

इजराइली अस्पतालों में मरीजों को अब अंडरग्राउंड जगहों से निकाला जा रहा

इजराइल के आस-पास के चिकित्सा केंद्रों ने बताया कि कल ईरान के साथ १२ दिनों का संघर्ष खत्म होने के बाद उन्होंने मरीजों को वापस ऊपरी इलाकों में भेजना शुरू कर दिया है। हाइफा में रामबाम मेडिकल सेंटर ने बताया कि पिछले १२ दिनों से मरीजों को पार्किंग प्लेस जैसे अंडरग्राउंड जगहों पर रखा गया था। उन्हें अब वापस अस्पताल में शिफ्ट किया जा रहा है।अस्पताल के प्रवक्ता ने बताया कि कम से कम ८०० मरीज रेगुलर वार्ड में शिफ्ट किया जाएगा। इचिलोव मेडिकल सेंटर में, क्रिटिकल न्यूबॉर्न यूनिट को वापस अपने फ्लोर पर ले जाया गया है।

C M Y K

सी-मार्ट की बिल्डिंग में शूरू हुई प्रीमियम शराब की बिक्री

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। शहर के गांधी चौक पास हस्तशिल्प और ऑर्गेनिक फूड की बिक्री के लिए बनाए गए सी-मार्ट की बिल्डिंग में बुधवार से प्रीमियम क्वालिटी की शराब शुरू हुई। इसके लिए बकायदा आबकारी विभाग ने नगर निगम से बिल्डिंग को करीब ८० हजार रुपए हर महीने किराए देकर एक साल के लिए अनुबंध भी किया है। मंगलवार सुबह जब वहां शराब से भरी गाड़ियां खड़ी हुई और उसमें से शराब उतारने लगे, तब लोगों को इसके बारे में पता चला। आबकारी विभाग के जिला अधिकारी एलके गायकवाड़ ने बताया कि राज्य सरकार ने इसके लिए प्रस्ताव दिया था, जिससे बाद स्थल का चिह्नांकन कर गांधी चौक के पास खाली पड़ी बिल्डिंग का प्रस्ताव भेजा था। अधिकारियों का मानना है कि अधिक महंगी शराब मिलने से यहां भीड़ नहीं लगेगी। हालांकि जिस जगह पर शराब की दुकान है, वह सार्वजनिक के साथ मुख्य चौराहा है। वहां ठीक से पार्किंग की भी व्यवस्था नहीं है। लिहाजा जाम लगाना तय है। साथ ही नई शराब दुकान के बगल में विधायक राजेश अग्रवाल के साथ एएसपी अमोलक सिंह का बंगला भी है, जहां लोग अपने काम-काज के लिए आते-जाते रहते हैं। साथ ही दुकान से १० मीटर दूर गांधी चौक भी है, जहां ट्रैफिक का दबाव अधिक रहता है। नई शराब दुकान खुलने का कांग्रेसियों ने विरोध जताया है। कांग्रेस के कार्यकताओं ने कहा कि जब बीजेपी विपक्ष में थी तो शराब बंद करने को लेकर केंद्रीय मंत्री तक ने प्रदेश में आंदोलन और चक्काजाम किया था, लेकिन अब उनकी सरकार आने के बाद शराब दुकानों की संख्या बढ़ा रहे हैं। लोगों को शराब पीने प्रेरित कर रहे हैं, जो समाज के लिए सही नहीं है।

लटोरी विद्युत सब स्टेशन के ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी से घंटों बाधित हुई आपूर्ति

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। विद्युत सब स्टेशन लटोरी के मेन ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी से आने कई घंटे विद्युत आपूर्ति आधा दर्जन से अधिक गांवों में बाधित हो गई थी। विभाग द्वारा आनन फानन में दूसरे पावर सप्लाई से कनेक्ट करके विद्युत आपूर्ति को बहाल कराकर ट्रांसफार्मर का मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। गौरतलब है कि लटोरी सब स्टेशन में स्थित ३.१५ केवी के स्थापित विद्युत ट्रांसफार्मर में बुधवार को तड़के करीब चार बजे अचानक आई तकनीकी खराबी की वजह से विद्युत आपूर्ति घंटों बाधित हो गई थी। विभागीय अधिकारियों द्वारा तत्काल आनन फानन में दूसरे पावर सप्लाई से कनेक्ट करने उपरांत विद्युत आपूर्ति आधा दर्जन गांवों में बहाल करा दी गई है और खराब मेन ट्रांसफार्मर के बदलने की प्रक्रिया देर रात तक चलती रही। मरम्मत कार्य पूर्ण होने उपरांत विभागीय अधिकारियों ने राहत की सांस ली है।

जनहित से जुड़े प्रकरणों का प्राथमिकता से करें निराकण-कलेक्टर कटारा

बलरामपुर,(अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में जिला संयुक्त कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, आमजनों से जुड़े प्रकरण सहित विभिन्न विषयों पर गहन समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री कटारा ने मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजी पोर्टल, हाई कोर्ट के लंबित प्रकरण, समय-सीमा प्रकरण की विभागवार समीक्षा कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजनों को समय पर राहत मिल सके। कलेक्टर श्री कटारा ने लोक सेवा केंद्र, राजस्व प्रकरण से संबंधित अविवादित नामांतरण, खाता बंटवारा, सीमांकन, भू-अर्जन, आरबीसी ६-४ प्रकरण के लंबित प्रकरण के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री कटारा ने पर्यावरणीय जन अभियान च्एक पेड़ मां के नामज्ज की प्रगति की जानकारी भी ली। उन्होंने अभियान अंतर्गत पौधारोपण के अद्यतन स्थिति को जानकारी लेते हुए इस अभियान को और अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक निर्देश भी दिए। साथ ही लगाए गए पौधों की समुचित देख-रेख की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए मौसमी बीमारियों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र में संक्रमण, डेंगू, मलेरिया, उल्टी-दस्त, सर्दी-खांसी जैसी मौसमी बीमारियों की आशंका बनी रहती है, इसके लिए स्वास्थ्य अमला पूरी तरह अलर्ट मोड में रहे। सभी प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाइयां, जांच किट एवं चिकित्सकीय टीम की उपलब्धता हो। साथ ही मौसम की किसी भी आपात स्थिति में सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्री कटारा ने राष्ट्रीय राजमार्ग के मरम्मत सुधार कार्य हेतु संबंधित अधिकारी को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग की जर्जर स्थिति के कारण आमजन को आवागमन में परेशानी हो रही है। वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए मरम्मत कार्य में गति लाए।

उन्होंने कहा कि जहाँ-जहाँ सड़कें अत्यधिक क्षतिग्रस्त हैं, वहाँ प्राथमिकता के साथ मरम्मत कार्य में तेजी लाए। प्रधानमंत्री आवास, पीवीटीजी आवास, पीएम जनमन अन्तर्गत की जा रही गतिविधियों की प्रगति की जानकारी ली कलेक्टर ने कहा कि पीएम जनमन अन्तर्गत अन्तरविभागीय समन्वय बनाकर कार्य किया जाए, जिससे प्रभावी क्रियान्वयन हो सके। कलेक्टर श्री कटारा ने धरती आबा अभियान अंतर्गत जनभागीदारी शिविर, जल जीवन मिशन, समितियों में खाद-बीज की उपलब्धता, आयुष्मान कार्ड की प्रगति, एनआरसी की संचालन के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर श्री कटारा ने कोषालयीन प्रकरणों की जानकारी ली और लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी दिए बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर. एस. लाल, श्री आर.एन. पाण्डेय, श्री प्रमोद गुप्ता, सर्व अनुविभागीय अधिकारी, जिला कोषालय अधिकारी श्री डी.पी. सोनी सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

देशी मदिरा दुकान डोमनहिल हेतु बघनच्चा तथा देशी कम्पोजिट मदिरा

एमसीबी। कार्यालय छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की देशी मदिरा दुकान डोमनहिल हेतु बघनच्चा तथा देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान पोड़ीकालरी हेतु नागपुर के लिए भाड़े पर भवन लिये जाने हेतु इच्छुक निविदाकारों से बंद लिफाफा में निविदाएं (तकनीकी बिड/प्राईज बिड पृथक-पृथक) 8 जुलाई 2025 को दोपहर 02:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला मनेन्द्रगढ-चिरमिरी भरतपुर में आमंत्रित की जाती है।

कोयलांचल में आस्था महापर्व 27 को निकलेगी महाप्रभु की रथ यात्रा

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कोयलांचल बिश्रामपुर का धार्मिक, सांस्कृतिक और आस्था से ओतप्रोत सबसे बड़ा उत्सव श्री जगन्नाथ रथ यात्रा इस वर्ष भी पूरे विधि-विधान और भव्यता के साथ २७ जून शुक्रवार को निकाली जाएगी। यह आयोजन उत्कल समाज बिश्रामपुर द्वारा लगातार ९ वर्षों से श्रद्धा, परंपरा और उत्साह के साथ किया जा रहा है। वर्षों की आस्था और भक्ति ने इस रथ यात्रा को अब एक धार्मिक अनुष्ठान से कहीं आगे जनआस्था का महाकुंभ बना दिया है, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होकर रथ की रस्सियों से महाप्रभु को अपने मौसी के घर पहुंचाते हैं। समिति के अध्यक्ष विशाल स्वाई ने बताया कि इस वर्ष की रथ यात्रा २७ जून को दोपहर २ बजे के बाद मंदिर परिसर से शुरू होगी, जब भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ सज-धजकर रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे। यात्रा जगन्नाथ मंदिर से बस स्टैंड, अंबेडकर चौक, आरटीआई कॉलोनी स्थित सरस्वती मंदिर मौसी घर जाएगा, जहां वे ९ दिनों तक विश्राम करेंगे। ५ जुलाई को बाहुड़ा यात्रा निकलेगी, जिसके बाद ८ जुलाई को वे मंदिर के सिंहासन पर पुनः विराजमान होंगे। उन्होंने बताया कि यह रथ यात्रा न केवल बिश्रामपुर शहर तक सीमित है, बल्कि पूरे सूरजपुर जिले और आसपास के क्षेत्रों भटगांव, श्रीनगर, प्रेमनगर, भैयाथान, सिलफिली सहित दर्जनों स्थानों से श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। भक्तों की भक्ति का स्तर इस हद तक है कि वे भगवान को मौसी के घर पहुंचाने हेतु रथ की रस्सी खींचने को अपना सौभाग्य मानते हैं। परंपरागत वेशभूषा, ढोल-नगाड़े, शंख, घंटा, कीर्तन मंडलियां और भक्ति गीतों से पूरा वातावरण ईश्वरमय हो जाता है।

जगन्नाथ रथ यात्रा की परंपरा के अनुसार रथ यात्रा प्रारंभ होने से पहले मंदिर परिसर में महाप्रभु का विधानपूर्वक पूजन किया जाएगा, जिसमें मंदिर के मुख्य पुजारी सुशांत मिश्र द्वारा विशेष अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे। इसके पश्चात राजा स्वरूप में राजपरिवार के प्रतिनिधि झाड़ू प्रथा निभाएंगे।यह परंपरा प्रतीक है कि भगवान के समक्ष सबसे बड़ा व्यक्ति भी विनम्र सेवक है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संरक्षक अशोक स्वाई, अध्यक्ष विशाल स्वाई, कोषाध्यक्ष अलंकार नायक, सचिव प्रभाकर स्वाई, सेनापति प्रधान रथ यात्रा प्रभारी, सीतीकांत स्वाई, सुदर्शन सेठी, सुरेशन स्वाई, एलसी त्रिपाठी, राजेंद्र प्रधान, प्रदीप त्रिपाठी, विद्याधर साहू, संतोष बिस्वाल, श्रीकांत स्वाई के अलावा महिला मंडल से अध्यक्ष दीप्ति स्वाई, गीता स्वाई, अनुराधा प्रधान, लीलावती स्वाई, प्रभासीनी नायक, स्मिता कहर, मिनी, मीरा, सबिता, आरती, तुकूनी व अन्य सक्रिय हैं।

आज नेत्र उत्सव नवयौवन रूप में दर्शन देंगे महाप्रभु

परंपरा के अनुसार रथ यात्रा से १५ दिन पूर्व महाप्रभु बीमार पड़ जाते हैं, जिसे अनवसर कहा जाता है। इस दौरान उन्हें मंदिर से बाहर लाकर स्नान मंडप में १०८ कलश जल से स्नान करवा कर आराम दिया जाता है। इस विश्राम अवधि के अंत में रथ यात्रा से ठीक एक दिन पहले महाप्रभु नवयौवन स्वरूप में नेत्र उत्सव के माध्यम से दर्शन देते हैं। गुरुवार २६ जून को शाम ७ बजे से भक्तों के लिए मंदिर के पट खुलेंगे और भक्त महाप्रभु के इस अनुपम सौंदर्य दर्शन का पुण्य प्राप्त कर सकेंगे। स्वाई ने बताया है १ जुलाई मंगलवार को महालक्ष्मी यात्रा, ५ जुलाई शुक्रवार को बाहुड़ा यात्रा, ६ जुलाई को स्वर्ण श्रृंगार, ७ जुलाई को अधर पन्ना अनुष्ठान, ८ जुलाई को नीलाद्री विजय में महाप्रभु सिंहासन में पुनः विराजमान होंगे।

अधिकारी-कर्मचारियों को ई-ऑफिस क्रियान्वयन संबंधी दिया गया प्रशिक्षण

बलरामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में शासकीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में ई-ऑफिस कार्य प्रणाली के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली की कार्यप्रणाली, उपयोगिता और तकनीकी पहलुओं की जानकारी प्रदान करने कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा की उपस्थिति में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। ई-ऑफिस प्रशिक्षण कार्यशाला दो सत्रों में आयोजित हुई, जिसमें कार्यालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी और जनहित से जुड़े कार्यों का निष्पादन निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित हो सकेगा। प्रशिक्षण सत्र का संचालन डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं गवर्नेंस विभाग से आए ई-जिला प्रबंधक से मास्टर ट्रेनर्स श्री सैयद साकिब अली एवं जावेद अख्तर द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली का उद्देश्य कागजी प्रक्रिया को डिजिटल प्लेटफॉर्म में रूपांतरित कर कार्य संचालन की गति और गुणवत्ता में सुधार लाना है। इससे न केवल निर्णय प्रक्रिया में तेजी आएगी, बल्कि सरकारी तंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। प्रशिक्षण में कर्मचारियों को ई-ऑफिस के कार्यप्रणाली, उपयोगिता और तकनीकी पहलुओं पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान कर्मचारियों को फाइल प्रबंधन, ई-नोटिंग, ई-डिस्पैच, पत्राचार की प्रक्रिया, दस्तावेजों की डिजिटल ट्रैकिंग, यूजर एक्सेस कंट्रोल और कार्य प्रवाह प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी।

इसके साथ लाइव डेमो के माध्यम से समझाया कि ई-ऑफिस का उपयोग कर किस प्रकार से शासकीय कार्यों को व्यवस्थित बनाया जा सकता है और दैनिक कार्यों में उपयोग में किया जा सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री आर. एस. लाल, श्री आर.एन. पाण्डेय सहित कर्मचारी उपस्थित थे।

पार्षद की मुख्य आतिथ्य में हुआ शाला प्रवेश उत्सव

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। शासकीय प्रथमिक विद्यालय मायापुर में शाला प्रवेश उत्सव बाबर इदरीश पार्षद की मुख्य आतिथ्य और श्रीमती अलका अग्रवाल प्रधान पाठक की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नव प्रवेशी बच्चों की तिलक लगा कर तथा मीठा खिला कर सम्मानित किया गया। बच्चों को पाठ्य पुस्तक गणवेश का वितरण किया गया। बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर बिलाल अंसारी, वंदना गुप्ता, नीलू सिंह ,सोनम दुबे और वार्ड वाशी उपस्थित थे।

मकान में तोड़फोड़ कर आग लगाने मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। लटोरी चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अनुजनगर में एक मकान में तोड़फोड़ कर आग लगाए जाने मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर दिया है। लटोरी पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत अनुजनगर में २१ जून की रात प्रार्थी निमिष अग्रवाल पिता वेद प्रकाश अग्रवाल की निजी भूमि पर बने मकान में कुछ शरारती तत्वों ने जबरन घुसकर तोड़फोड़ कर दीवारों को क्षतिग्रस्त कर मकान में पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने की कोशिश की गई थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी २७ वर्षीय सरोज कुमार राजवाड़े पिता लुकाम प्रसाद राजवाड़े, २६ वर्षीय रामेश्वर प्रसाद राजवाड़े पिता लुकाम प्रसाद राजवाड़े व ३० वर्षीय मनोज कुमार राजवाडे पिता लुकाम प्रसाद राजवाड़े सभी निवासी अनुजनगर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त हावड़ा पेट्रोल का डब्बा को जब्त किया गया है। मामले की तीनों आरोपियों को आज गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

छग बंग कल्याण समिति के जिलाध्यक्ष व सदस्यों को दिलाया गया शपथ

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ बंग समाज कल्याण समिति के सूरजपुर जिलाध्यक्ष पवन वर्मन के नियुक्त होने उपरांत ग्राम पंचायत सिलफिली राधा गोविंद मंदिर में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। जहां शपथ दिलाने के बाद उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। गौरतलब है कि गत दिनों जिलाध्यक्ष के रूप में पवन कुमार वर्मन को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष चुना गया था। इसके पश्चात समाज के विस्तार को लेकर कार्यकारिणी का गठन करते हुए ४१ पदाधिकारी को दायित्व सौंपा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बंग समाज प्रदेश अध्यक्ष रामू घोष के अलावा अन्य अतिथियों में सुबोध विश्वास, दिलीप धर संरक्षक, रमेश विश्वास, गौड़ विश्वास, समीर हालदार, सुशांत घोष, रवींद्र राय, दिवाकर मुखर्जी, संदीप सरकार, पुलिन मंडल, निरंजन विश्वास, कृष्ण मल्लिक, गोपाल हालदार, समीर मंडल, रविन विश्वास उपस्थित थे। कार्यक्रम में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष पवन कुमार बर्मन को प्रदेश अध्यक्ष रामू घोष ने पद व गोपनियता का शपथ दिलाया। इसके बाद जिलाध्यक्ष पवन बर्मन ने कार्यकारिणी की विस्तार करते हुए संरक्षक बाबुल सेन, प्रभात राय, श्यामल दास, कार्तिक दास, भूपति बर्मन, श्याम घोषाल, उपाध्यक्ष आलोक घोष, कन्हाई बाला, तारक सरदार, विमल सिकदार सचिव मणि कृष्णा मॉल, कमल शील, प्रवक्ता गोपाल बड़ई, सह प्रवक्ता धीरज विश्वास, कोषाध्यक्ष विकास मल्लिक, ललित बाईन, मुख्य संगठन मंत्री सुशांत विश्वास, संगठन मंत्री माणिक मंडल, विविध सलाहकार गोपाल राय, मनोज राय, कार्यालय प्रभारी चंदन दास सह कार्यालय प्रभारी प्रशांत सरकार, मिडिया प्रभारी विवेक हालदार, सोशल मिडिया निर्मल विश्वास को नियुक्त किया गया। इसके पश्चात सभी नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों को भी पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मंच संचालन गोपाल बड़ाई व आभार प्रदर्शन जिलाध्यक्ष पवन बर्मन द्वारा व्यक्त किया गया। इस दौरान गोकुल चौधरी, दिनेश सरकार, प्रदीप बाईन, रतन माली, तुलसी हालदार, संजय चौधरी, बब्लू हालदार, ज्योतिष मंडल, शंकर सरदार, नरोत्तम चौधरी व अन्य उपस्थित थे।

डीएवी शिक्षिका से चैन स्नेचिंग मामले में दूसरे दिन भी कोई सुराग नहीं

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। एसईसीएल बिश्रामपुर के टूए कॉलोनी में मंगलवार शाम डीएवी स्कूल बिश्रामपुर की शिक्षिका कॉलोनी में ही इवनिंग वॉक के दौरान चैन स्नेचिंग की शिकार हो गईं। लूट की शिकार हुई शिक्षिका नीलम पांडेय के पति के पांडेय की रिपोर्ट पर बिश्रामपुर पुलिस ने अज्ञात बाईक सवार युवकों पर बीएनएस की धारा ३०४(२),३(५) का केस दर्ज किया है।मंगलवार शाम घटित घटना के बाद बिश्रामपुर टीआई थाना स्टॉफ के साथ मौके का निरीक्षण किया साथ ही कॉलोनी में आसपास लगे घरों के सीसी टीवी फुटेज खंगाले लेकिन अब तक किसी प्रकार का सुराग नहीं लग सका है।अनुमान लगाया जा रहा है कि बदमाशों ने पहले दोनों की रेकी की होगी फिर मौका देख वारदात को अंजाम दिया होगा।फिलहाल कॉलोनी में घटित घटना से कॉलोनीवासियों में भय और दहशत का वातावरण निर्मित कर दिया है।प्रबुद्धजनों ने एसपी से इस मामले में संज्ञान ले आवश्यक कार्यवाही की अपील की है।

अपराधियों में पुलिस का नहीं रहा भय

बता दें कि क्षेत्र में पिछले करीब दो वर्षों से नगर की पुलिसिंग बद से बदतर हालात में पहुंच चुकी है।बदमाशों में पुलिस का भय लगभग खत्म हो चुका है।जगह जगह शराब ,गांजा,नशीले इंजेक्शन की खरीद बिक्री से हालात दिन ब दिन खराब होते जा रहे हैं।बिश्रामपुर थाने में अच्छे और योग्य कर्मियों की कमी अब स्पष्ट दिखाई देने लगी है।

बदतर पुलिसिंग से बेकाबू हुए हालात

दर्जनों चोरी के मामलों का अब तक नहीं हुआ खुलासा

बिश्रामपुर क्षेत्र में हाल की घटनाओं पर गौर करें तो एक के बाद एक हो रही चोरी लुट की घटना से आमजनो के मन में भय व पुलिस के प्रति अविश्वास की स्थिति निर्मित कर दी है।लगातार चोरी लूट की घटना से लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर भयभीत हैं की कब उनके साथ अनहोनी हो जाए।

बता दें की अभी करीब एक माह पूर्व कुमदा कॉलरी पुराना माइनस निवासी एसईसीएल कर्मी भोलानाथ घोष पिता मनोरंजन घोष की बहन चैताली मित्र मजूमदार जो अपने मां के दशकर्म कार्यकर्म में शामिल होने कलकत्ता से कुमदा कॉलरी आई थी जो गत बीस मई को मंदिर से वापस क्वार्टर जाते चैन स्नेचिंग का शिकार हुई थी जिसका आज एक माह बाद कुछ पता नहीं चला है।

इसी प्रकार गत २१ नवंबर को गायत्री खदान के एमटी राहुल आनंद के सुने घर से चोर टीवी फ्रिज कुलर सहित डेढ़ लाख का सामान पार कर दिया था, वही केतकी खदान के ओवर मैन अरुण पांडे के सुने घर से गत १८ मई को डेढ़ लाख मूल्य का सोना चांदी समेत नगदी रकम वही ३१ मई को केशवनगर स्थित स्वास्थ्य कार्यकर्ता के शिखा बछाड़ के आवास से पांच लाख से अधिक के जेवरात सहित पचहतर हजार नगद पार कर दिया।करीब एक वर्ष पूर्व शासकीय मदिरा दुकान शिवनंदनपुर की कैस बॉक्स जिसमे चार लाख से अधिक रकम सहित दुकान से महंगे शराब ले गए इसके बाद पुनः दूसरी बार चार गले से नगद रकम और शराब ले जा दुकान की सीसी टीवी क्षतिग्रस्त कर दिया था जिनका आज तक सुराग नहीं लग सका है।इस प्रकार छोटी बड़ी कई चोरी की घटना में शामिल आरोपियों को पुलिस आज पर्यंत तक नही पकड़ सकी है,और अभी भी एक के बाद एक वारदात लगातार हो रही है जिससे लोगो का आक्रोश पुलिस के प्रति स्पष्ट दिखाई पड़ रहा है।पुलिस केवल अपराध दर्ज करने और जांच कार्यवाही के नाम पर कोरम पूर्ति में लगी है।

छोटी खबरें

गुणवत्ता को दरकिनार कर बनाई गई लाखों की बीटी सड़क

कलेक्टर से लिखित शिकायत, दोषी ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। नगर पंचायत खोंगापानी में लाखों की लागत से बीटी रोड रेनोवेशन कार्य गुणवत्ताविहीन तरीके से कराए जाने का मामला प्रकाश में आया है। भाजपा हसदेव मंडल उपाध्यक्ष मनीष सिंह, पार्षद मुकेश कुमार, सीता कोल, सुरेश, भाजपा महिला मोर्चा हसदेव मंडल अध्यक्ष अंजु उर्मलिया एवं अन्य ने कलेक्टर से इसकी लिखित शिकायत कर कार्य की जांच कराते हुए संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

शिकायत पत्र में कहा गया है कि नगर पंचायत खोंगापानी में बीटी रोड रेनोवेशन का कार्य वार्ड क्र. 1 घुटरीटोला एनएच से बीएसएनएल टावर तक 50 लाख रूपए की लागत से कराया गया है। इसी प्रकार वार्ड क्र. 9 में डॉ. चैहान के घर से राजीव गांधी मेन मार्केट चैक तक 8 लाख 88 हजार रूपए एवं वार्ड क्र. 12 में देवेंद्र गुप्ता के घर से जानकी वाटिका तक 14 लाख 90 हजार रूपए की लागत से बीटी रोड रेनोवेशन कार्य बेहद गुणवत्ताविहीन एवं बिना तकनीकी सक्षम अधिकारी की देखरेख में 1 सप्ताह पूर्व किया गया है। पुरानी बनी सीसी रोड के ऊपर बिना मापदंड के एक से डेढ़ इंच ढलाई कर कार्य की खानापूर्ति की गई है। ठेकेदार द्वारा उपयोग किए जाने वाले डामरयुक्त गिट्टी को खोंगापानी से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी से परिवहन कर लाया गया है। दूर से परिवहन के कारण मटेरियल की स्टीम पकड़ गुणवत्ता समाप्त हो जाती है एवं डामर गिट्टी अभी से ही बिखरे नजर आ रहे हैं। शिकायतकताओं ने कलेक्टर से जांच टीम गठित कर शिकायत की जांच कराते हुए दोषी ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

जिला पंचायत सदस्य सावित्री कंवर ने भ्रष्टाचार पर की कड़ी आपत्ति, दो गंभीर मामलों में कार्यवाही नहीं होने पर जताई नाराजगी

कोरबा अम्बिकावाणी - जिला पंचायत कोरबा की सामान्य सभा बैठक में उठाए गए दो गंभीर भ्रष्टाचार के मामलों में अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं होने पर जिला पंचायत सदस्य सावित्री अजय कंवर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कोरबा को पत्र लिखकर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने मांग की है कि संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध तुरंत कार्रवाई हो तथा सामान्य सभा की पिछली बैठक में प्रस्तुत प्रतिवेदन को अस्वीकार कर नया प्रतिवेदन मंगवाया जाए। पहला मामला ग्राम पंचायत साजापानी, जनपद करतला का है, जहां के रोजगार सहायक लखन कंवर पर वर्ष २०१५ से २०१९ के बीच ४७ फर्जी बिलों के माध्यम से ४३ लाख रुपये से अधिक की राशि गबन करने का आरोप है। इस संबंध में पूर्व में एफआईआर के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अब तक सिर्फ १.७५ लाख रुपये की वसूली कर मामला दबा दिया गया है। दूसरा मामला ग्राम बरीडीह, जनपद कोरबा के धनवार पारा का है, जहां मनरेगा के तहत स्वीकृत तालाब निर्माण कार्य को पूरा करने के बाद उसे राखड़ से पाट दिया गया। जांच में तालाब का कोई अस्तित्व नहीं पाया गया, लेकिन दोषियों के विरुद्ध अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। सावित्री कंवर ने अपने पत्र में लिखा है कि २० जून २०२५ को हुई सामान्य सभा की बैठक में इन दोनों मामलों पर कोई संतोषजनक प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो जन आक्रोश के चलते आंदोलन जैसी स्थिति बन सकती है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

कोरबा की बेटी के साथ दरिंदगी

तीन दिन लावारिस पड़ा शव, न्याय की गुहार लगाता कोरबा का हर दिल, न्याय को लेकर परिजनों ने किया घेराव

सिंगरौली में कोरबा की बेटी की हत्या - परिजन बोले, हमें इंसाफ चाहिए

कोरबा अम्बिकावाणी - मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले को झकझोर कर रख दिया है। कोरबा जिले के हरदीबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रलिया निवासी उमेद दास की २२ वर्षीय पुत्री पुष्पांजलि महंत की कथित तौर पर दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। घटना तीन दिन पूर्व सिंगरौली में घटित हुई, लेकिन परिजनों का आरोप है कि स्थानीय पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और बेहद लापरवाही बरती। पुष्पांजलि का शव तीन दिन तक मोरवा के एक अस्पताल के बाहर बिना पोस्टमॉर्टम के पड़ा रहा। डॉक्टरों ने यह कहकर पोस्टमॉर्टम से इनकार कर दिया कि शव सड़ चुका है। अंततः शव को रीवा मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां सोमवार देर रात उसका परीक्षण किया गया। मूल रूप से कोरबा की निवासी पुष्पांजलि महंत के पिता उमेद दास का हाल ही में निधन हो गया था और मां अनुकंपा नियुक्ति पर कार्यरत हैं। दुख की इस घड़ी में परिवार न्याय के लिए दर-दर भटक रहा है। परिजनों का आरोप है कि मोरवा थाना पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट तो दर्ज की लेकिन दुष्कर्म की धाराएं जोड़ने से इनकार कर दिया। पुलिस पर यह भी आरोप है कि वे मृतका के रिश्तेदारों को थाने से भगा रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद कोरबा जिले में आक्रोश फैल गया। ग्राम रलिया के सैकड़ों ग्रामीणों ने हरदीबाजार चौक में चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि पुष्पांजलि के साथ हुई दरिंदगी और उसके बाद हुई प्रशासनिक उदासीनता ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। मामले में कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद और महिला सशक्तिकरण पर संसद की स्थायी समिति की सदस्य ज्योत्सना चरणदास महंत ने भी कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कोरबा पुलिस अधीक्षक से बात कर परिजनों को न्याय दिलाने की बात कही और मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक से इस घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है। सांसद महंत ने बताया कि जब उन्होंने मध्यप्रदेश के अधिकारियों से बात करनी चाही तो एक अधिकारी ने उन्हें अपने प्रदेश तक सीमित रहने की सलाह दी, जिसे उन्होंने असंवेदनशील और शर्मनाक बताया। सांसद ने इस व्यवहार की लिखित शिकायत एमपी डीजीपी से करते हुए कहा कि बेटियों की सुरक्षा किसी एक राज्य की नहीं, पूरे देश की जिम्मेदारी है।

कोरबा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने पुष्पांजलि के परिवार को सुरक्षा देने और मध्यप्रदेश पुलिस से समन्वय बनाकर दोषियों को सजा दिलाने का भरोसा दिलाया है।

यह मामला न केवल एक बेटी के साथ हुए अत्याचार का है, बल्कि हमारे सिस्टम की संवेदनहीनता का भी आईना है। कोरबा की बेटी के लिए उठ रही हर आवाज अब यही कह रही है – हमें न्याय चाहिए, और तुरंत चाहिए।

प्लेसमेंट में चयनित सिपेट के विद्यार्थियों ने कलेक्टर से की मुलाकात

कलेक्टर ने दी उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

कोरबा अम्बिकावाणी - केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), कोरबा, रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने वाला संस्थान हैं। सिपेट में एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को संचालित किया जाता है। रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान के लिए सिपेट, कोरबा में आधुनिक तकनीकी एवं बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध है जो प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार प्रदान करने में अवसर एवं सहयोग प्रदान करता है। वर्ष २०२२ में कलेक्टर कोरबा द्वारा १० आर्थिक सामाजिक कमजोर वर्ग के छात्रों को जिला खनिज न्यास मद द्वारा सिपेट कोरबा के रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया। जिसमें इन विद्यार्थियों के शिक्षा का खर्च डीएमएफ कोरबा कलेक्टर कार्यालय द्वारा वहन किया गया। तीन वर्षीय पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने के बाद प्रशिक्षणार्थियों को देश के प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनी में प्लेसमेंट दिया गया। डिप्लोमा इन प्लास्टिक इंजीनियरिंग से आई गौरव राव, गौरव कुमार, सुरेश, राजेश चौहान का चयन में. लुमेक्स करनगिला ऑटो टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड पुणे और दुर्गा रानी नायक, सरस्वती मुंडा, रेहाना खातून का चयन में. एस पी आर ताकाहाता प्रिसिशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड राजस्थान में हुआ है। डिप्लोमा इन प्लास्टिकस प्रोडक्ट एंड मोल्ड डिजाइनिंग से प्रीती सिंह का चयन में. लुमेक्स मानव अलाइएड टेक्नोलॉजी लिमिटेड गुड़गांव में डिप्लोमा इंजीनियर ट्रेनी के पद पर हुआ है। इसी तारतम्य में इन विद्यार्थियों ने पाठयक्रम के समापन के पश्चात धन्यवाद ज्ञापन के लिए कोरबा कलेक्टर श्री अजीत वसंत से कलेक्टर कार्यालय में मुलाकात कर धन्यवाद दिया व उनका आभार व्यक्त किया। सिपेट कोरबा में जिला खनिज न्यास मद से प्रायोजित ८ डिप्लोमा विद्यार्थियों का देश के प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों में चयन हुआ। डीपीटी से ७ एवं डीपीएमटी से १ डिप्लोमा इंजीनियर ट्रेनी के रूप में चुना गया।

कलेक्टर अजीत वसंत ने कोरबा ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षण उपरांत रोजगार पाना गर्व की बात है और यह आपके लिए अत्यंत प्रेरणादायक क्षण है। मै सभी चयनित विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूँ और आशा करता हूँ कि आप अपने परिवार का नाम रोशन करेंगे।

16 ग्राम पंचायतों में नई संस्थाओं को सौंपी गई उचित मूल्य दुकानें, 22 स्थानों के लिए आमंत्रित किए गए आवेदन

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले में एक ही संचालक संस्था द्वारा शासन के निर्देशों के विरुद्ध दो से अधिक उचित मूल्य दुकानों का संचालन किया जा रहा था। वर्तमान में जिले की १८ संचालक संस्थाओं द्वारा कुल ७७ शासकीय उचित मूल्य दुकानों का संचालन किया जा रहा है, जो निर्धारित सीमा का उल्लंघन है। शासन के स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं कि एक संस्था अधिकतम दो दुकानों का संचालन ही कर सकती है। इस स्थिति को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर कोरबा ने समस्त अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) को निर्देशित किया है कि जहां भी दो से अधिक दुकानें एक ही संस्था द्वारा चलाई जा रही हैं, वहां अतिरिक्त दुकानों को नई संस्था अथवा समूह को आबंटित किया जाए। निर्देशों के अनुरूप जिले के विभिन्न विकासखंडों में कार्यवाही प्रारंभ हो चुकी है। विकासखंड कोरबा के ग्राम पंचायत मदनपुर, मुदुनारा, रजगामार, कुदुरमाल, सतरेंगा, लेमरू, सोनगुढा, धनगांव, बेन्दरकोना, बेला, चुईया और पंडरीपानी सहित विकासखंड करतला के पहाड़गांव, कटघोरा अनुविभाग के ढ़पढ़प, तथा पोड़ी उपरोड़ा अनुविभाग के नगोई, बछेरा और परला में नई संस्थाओं को उचित मूल्य दुकानें आबंटित कर आदेश जारी किए गए हैं। इस प्रकार कुल १६ ग्राम पंचायतों में नई संस्थाओं को दुकान संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी के साथ, जिले में अन्य २२ ग्राम पंचायतों में उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु नवीन संस्था के चयन के लिए विज्ञापन जारी कर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन ग्राम पंचायतों में कोरबा विकासखंड के चिर्रा, डोकरमना, बड़गांव, अरसेना, चचिया, देवपहरी, अजगरबहार, गढ़ उपरोड़ा, सिमकेंदा, मसान, लबेद और चाकामार, करतला के रीवांपार, कटघोरा के बतारी, रंजना, अरदा, पाली के जेमरा और पोड़ी उपरोड़ा के अमझर, चंद्रोटी, भांवर, चोटिया (लमना) एवं साखो शामिल हैं। इन दुकानों के संचालन हेतु इच्छुक महिला स्व-सहायता समूह, ग्राम पंचायतें, वन समितियां, लेम्पस, सहकारी समितियां या फर्म्स/सोसायटी बिलासपुर एवं सहकारी संस्थाओं में पंजीकृत वे संस्थाएं जिनका पंजीयन कम से कम दो माह पूर्व का हो – वे संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के कार्यालय में आवेदन व दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार जांच और मूल्यांकन के उपरांत उचित मूल्य दुकानों का आबंटन किया जाएगा। इस निर्णय से एक ओर जहां शासन के नियमों का पालन सुनिश्चित होगा, वहीं दूसरी ओर स्थानीय संस्थाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे और दुकान संचालन में पारदर्शिता व स्थानीय सहभागिता को बढ़ावा मिलेगा।

अंबिकापुर में भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय मंत्री राधेश्याम जायसवाल का प्रवास, विद्युत कर्मचारियों की समस्याओं पर हुई गंभीर चर्चा

कोरबा अम्बिकावाणी - भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय मंत्री एवं विद्युत प्रकोष्ठ प्रभारी राधेश्याम जायसवाल तथा छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ महासंघ के महामंत्री नवरतन बरेठ का अंबिकापुर क्षेत्र में आज विशेष प्रवास हुआ। इस दौरान महासंघ के विभिन्न संभागों से आए पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। प्रवास के तहत उदयपुर उपसंभाग में कार्यकताओं को महासंघ की अब तक की उपलब्धियों एवं आगामी रणनीतियों की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं अंबिकापुर में आगामी सदस्यता अभियान एवं अधिवेशन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का प्रमुख फोकस क्षेत्र में कार्यरत विद्युत कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं पर रहा। इस क्रम में महासंघ प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय मुख्य अभियंता यशवंत शिलेदार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर अनावश्यक स्थानांतरण जैसी गंभीर समस्याओं से अवगत कराया। मुख्य अभियंता यशवंत शिलेदार ने सभी मुद्दों के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। बैठक में बिजली कंपनी की ओर से मुख्य अभियंता यशवंत शिलेदार, अतिरिक्त मुख्य अभियंता आवेदन कुजूर, अधीक्षण अभियंता आर.के. मिश्रा उपस्थित रहे। वहीं महासंघ की ओर से अभिषेक बोहिदार, दौलतराम चौहान, एम.पी. दुबे, नंदकुमार बघेल, प्रवीण नायर, डी.एन. विश्वकर्मा सहित अंबिकापुर, कुनकुरी एवं मनेन्द्रगढ़ सर्किल के सभी संभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। महासंघ ने स्पष्ट किया कि विद्युत कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए संगठन पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0................/अ-02/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक रितेश अग्रवाल पिता रामचन्द्र अग्रवाल निवासी देवीगंज रोड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) द्वारा निवेदन किया गया है, कि उसके स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अंबिकापुर खसरा नंबर नंबर 243/23, रकबा 0.073 हे० भूमि जिसे उसने दिनांक 16/05/2025 को नारायण अग्रवाल आ० लक्ष्मीनारायण अग्रवाल निवासी नमनाकला, तहसील अम्बिकापुर के द्वारा क्रय पत्र से प्राप्त हुआ है, तथा जो भूमि वर्ष 1988-89 में नारायण अग्रवाल आ० लक्ष्मीनारायण के नाम से व्यपवर्तित हो चुकी है, उक्त भूमि का पुर्ननिर्धारण के लिए आवेदन पत्र, बी-1, खसरा, व्यपवर्तन प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 11/07/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0................/अ-02/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक रामचन्द्र अग्रवाल पिता रामस्वरूप निवासी देवीगंज रोड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) द्वारा निवेदन किया गया है, कि उसके स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अंबिकापुर खसरा नंबर नंबर 484/34, रकबा 0.040 हे० भूमि जिसे उसने दिनांक 28/07/1987 को शिवराम प्रसाद आ० रामधनी निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर के द्वारा क्रय पत्र से प्राप्त हुआ है, तथा जो भूमि वर्ष 1985-86 में शिवराम प्रसाद आ० रामधनी के नाम से व्यपवर्तित हो चुकी है, उक्त भूमि का पुर्ननिर्धारण के लिए आवेदन पत्र, बी-1, खसरा, व्यपवर्तन प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 11/07/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202506020700202/

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:- अ-6 सन:- 2024-2025
फतेहपुर प.ह.नं. 00028 [992/3(0.0410 हे0)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- फरजाना परवीन,
अनावेदक पक्षकार- मो. अयाज,

ईश्तहार

आवेदक फरजाना परवीन पति मकसूद अली व अन्य निवासी फतेहपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम फतेहपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 992/3 रकबा 0.041 हे0 में से रकबा 0.021 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 23/08/2024 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 14/07/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19/06/2025 को जारी किया जाता है।

UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
तहसील, अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार, अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202506020700203/

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:- अ-6 सन:- 2024-2025
फतेहपुर प.ह.नं. 00028 [992/3(0.0200 हे0)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- रिजवाना बानो,
अनावेदक पक्षकार- मो. अयाज,

ईश्तहार

आवेदक रिजवाना बानो पति शदिक अंसारी व अन्य निवासी नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम फतेहपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 992/3 रकबा 0.041 हे0 में से रकबा 0.020 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 23/08/2024 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 14/07/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19/06/2025 को जारी किया जाता है।

UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
तहसील, अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0................/अ-02/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुंज बिहारी आ० रामजीत सिंह जाति अहीर निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 243/37 रकबा 0.046 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 09/07/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय लिंक कोर्ट देवनगर, तहसील रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

//ईश्तहार//

रा०प्र०क्र०/202504262500087/ अ-21(4)/2024-2025

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत क्षेत्र परसापारा को सूचित किया जाता है कि आवेदक बालसाय आ. सुधन जाति हरिजन उम्र 85 वर्ष निवासी ग्राम परसापारा तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर छ०ग० के द्वारा ग्राम परसापारा में स्थित भूमि ख. नं. 607/1 रकबा 0.08 में से 0.04 हे. भूमि को अपने ईलाज कराने के लिए अनावेदक मुकेश बंसल आ. ओमप्रकाश बंसल के पास विक्रय करना चाहता है। उक्त वादभूमि को विक्रय हेतु अनुमति के लिए माननीय न्यायालय कलेक्टर महोदय के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 04/07/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 24/06/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
देवनगर,
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

अम्बिकावाणी
बैकुण्ठपुर, गुरूवार 26 जून, 2025

स्वयं पर अधिकार ही वास्तविक सामर्थ्य है। दूसरों पर अधिकार असली शक्ति का परिचायक है।

0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता बाहरी जिम्मेदार नहीं

उन्होंने कहा, भारत हमारा पड़ोसी है, हम नहीं चाहते कि उनके साथ कोई बुनियादी समस्या हो। मगर भारतीय प्रेस में आने वाली खबरों को फर्जी ठहराते हुए कहा कि हर बार चीजें गलत हो जाती हैं और लोग कहते हैं कि इसका संबंध शीर्ष स्तर के नीति निमार्ताओं से है। यही बात बांग्लादेश को बहुत बेचैन और क्रोधित करती है। उनका कहना है, इस क्रोध को काबू करने की काोशिश करते हैं मगर साइबर स्पेस में बहुत सारी चीजें होती रहती हैं। शेख हसीना के निष्कासन के बाद भारत-बांग्लादेश के संबंधों में तनाव आ गया। यूनुस की मांग पर कि हसीना लोगों से वैसी बातें न करें, जैसी वह ऑनलाइन अकसर करती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पर हसीना की गतिविधियों को नियंत्रित न कर सकने की बात की, जिसे उन्होंने विस्फोटक स्थिति बताया। इसी दरम्यान भारत सरकार ने रवीन्द्रनाथ टैगोर के बांग्लादेश स्थित पैतृक निवास पर की गई तोड़-फोड़ की कड़ी निंदा की। यूसुफ ने बीते साल बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख का पदभार संभाला था। जनता के दबाव के बाद उन्होंने 2026 में राष्ट्रीय चुनाव की घोषणा की। बेशक वे अपने मुल्क में मचे राजनीतिक घमासान और कानून-व्यवस्था से अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान भटकाना चाहते हैं। बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता के लिए कोई बाहरी जिम्मेदार नहीं हो सकता। भारत अपने पड़ोसियों से सकारात्मक व रचनात्मक संबंध रखने पर बारीक नजर रखता है। रही बात हसीना को राजनीतिक शरण देने की तो मामला अब अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के समक्ष है। मामले की गंभीरता को समझते हुए दोनों मुल्कों को आपसी असहमतियों को दूर करने के प्रयास करने चाहिए। हालांकि जब तक वहां चुनी हुई सरकार नहीं आती, तब तक कोई भी निर्णय अंतिम नहीं माना जा सकता।

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस का कहना है कि उनकी अंतरिम सरकार भारत के साथ अच्छे संबंध चाहती थी मगर हमेशा कुछ न कुछ गलत हो जाता है। ब्रिटेन की चार दिवसीय यात्रा के दौरान लंदन में चैथम हाउस थिंक टैंक के साथ बातचीत के दौरान यूनुस ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों और देश के लोकतांत्रिक रोडमैप सहित विभिन्न मुद्दों पर बात की।

आपातकालः लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला

0-विष्णुदत्त शर्मा

कांग्रेस का लोकतंत्र में विश्वास तब तक है जब तक वह सत्ता में है। जब वह सत्ता से बाहर होती दिखाई देती है, वह संविधान और लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ाने से नहीं चूकती। डॉ. राममनोहर लोहिया के ये शब्द 25 जून 1975 को उस समय सत्य सिद्ध हुए, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने आज से 50 वर्ष पहले, 25 जून 1975 को देश पर आपातकाल थोप दिया। यह घटना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की सबसे दुखद और शर्मनाक घटनाओं में से एक है। यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं था, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था।

आपातकाल लगाने का उद्देश्य नेहरू-गांधी परिवार का सत्ता पर वर्चस्व बनाए रखने की लालसा में संविधान को रौंदने का कुत्सित प्रयास था। यह वह समय था जब संविधान को ताक पर रखकर व्यक्तिगत सत्ता की रक्षा के लिए पूरे देश को एक तानाशाही शासन के अधीन कर दिया गया था। 1970 के दशक की शुरूआत में भारत गंभीर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक संकटों से जूझ रहा था। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और असंतोष के कारण सरकार के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ रहा था। इंदिरा गांधी की सत्ता को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 जून 1975 को उनके निर्वाचन को अवैध घोषित कर दिया और उन्हें छह वर्षों के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया। इस फैसले के बाद देश भर में इंदिरा गांधी के इस्तीफे की मांग तेज हो गई। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में विपक्ष ने संपूर्ण क्रांति का नारा दिया। इन सबके बीच 25 जून 1975 की रात को राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर देश में आपातकाल लागू कर दिया।इंदिरा गांधी ने कैबिनेट को विश्वास में नहीं लिया, आधी रात को राष्ट्रपति से चुपचाप आपातकाल लागू करवाया। कांग्रेस की संस्कृति रही है–परिवार पहले, संविधान बाद में। 'इंडिया इज इंदिराइ नारा कांग्रेस की लोकतंत्र विरोधी सोच का प्रतीक था। एक व्यक्ति, एक परिवार को देश से बड़ा समझना ही कांग्रेस की वैचारिक विकृति है। आपातकाल की घोषणा के साथ ही भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएँ रातों रात बंधक बना दी गईं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, और न्यायिक संरक्षण जैसे मौलिक अधिकार स्थगित कर दिए गए। मीडिया पर कठोर सेंसरशिप लागू कर दी गई। विरोध करने वाले हजारों नेताओं, कार्यकताओं, पत्रकारों, साहित्यकारों को बिना मुकदमे के जेलों में ठूंस दिया गया। 'इंदिरा इज इंडिया और इंडिया इज इंदिराइ जैसे नारे लगाने वालों को पुरस्कृत किया गया, जबकि आलोचकों को देशद्रोही बताकर प्रताड़ित किया गया। आपातकाल के इस काले दौर में वामपंथियों ने इंदिरा गांधी का भरपूर समर्थन किया। इसके बदले में उन्हें प्रशासन और शिक्षा के क्षेत्र में ऊँचे पदों पर बिठाया गया। वे इतिहास, संस्कृति और पाठ्यक्रमों में अपने वैचारिक एजेंडे को लागू करने में सफल रहे। इससे देश की भावी पीढ़ी की सोच को प्रभावित करने की कोशिश की गई। इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी ने जनसंख्या नियंत्रण के नाम परजबरन नसबंदी का अभियान चलाया। लाखों गरीब पुरुषों को जबरदस्ती नसबंदी के लिए बाध्य किया गया। दिल्ली में तुर्कमान गेट जैसी घटनाओं में, जब लोगों ने इसका विरोध किया, तो गोली चलवा दी गई, जिसमें अनेक लोग मारे गए। इस दौरान हजारों झुग्गियाँ और बस्तियाँ उजाड़ दी गईं, जिससे लाखों लोग बेघर हो गए। वर्ष 1985 में लोकसभा में राजीव गांधी ने कहा– आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था। यह बयान बताता है कि कांग्रेस के डीएनए में लोकतंत्र के लिए कोई सम्मान नहीं, केवल परिवार और सत्ता से प्रेम है। 21 महीनों तक देश को लोकतंत्र से वंचित रखकर कांग्रेस के एक परिवार की सत्ता बनाए रखने के लिए संविधान का गला घोंटा गया। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर राष्ट्रवादी विचारधारा को कुचलने का कार्य किया। लोकतंत्र को बचाने के लिए लड ? वालों को जेल में ठूंसा गया। लगभग 1 लाख 40 हजार लोगों को जेल में बंद किया गया और 22 कस्टोडियल डेथ हुईं। संविधान की आत्मा को कुचला गया। मीसा कानून में संशोधन कर प्राकृतिक न्याय की भावना का उल्लंघन किया गया। कांग्रेस की प्रवृत्ति लोकतंत्र विरोधी रही है–जो विरोध करे, उसे समाप्त कर दो। नेताजी सुभाषचंद्र बोस को कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे लोकप्रिय नेता को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया गया। बाबा साहब अंबेडकर जैसे महापुरुष का कांग्रेस द्वारा निरंतर विरोध और अपमान किया गया। कांग्रेस ने संविधान में अब तक 75 बार संशोधन किए, कई संशोधन सत्ता को मजबूत करने हेतु थे। अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करते हुए 90 बार चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त किया।1973 में वरिष्ठता की परंपरा को तोड़ते हुए जस्टिस अजीतनाथ रे को चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया- न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार था। मीसा कानून के जरिए निर्दोष लोगों को कैद किया गया- क्या यही कांग्रेस का न्याय है ? शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटकर कांग्रेस ने करोड़ों मुस्लिम महिलाओं के अधिकार छीन लिए। राजीव गांधी ने वोट बैंक के लिए संविधान के साथ सौदा किया, यही कांग्रेस की असली सोच है। राहुल गांधी संसद में संविधान की प्रति लहराते हैं, लेकिन 2013 में उसी संसद के अध्यादेश को फाड़ कर संविधान की अवमानना करते हैं। कांग्रेस संविधान बचाने की बात करती है, लेकिन इतिहास गवाह है कि वही कांग्रेस बार-बार संविधान को बेरहमी से कुचलती रही है। कांग्रेस के लिए लोकतंत्र सिर्फ एक दिखावा है – असली सत्ता नेहरू-गांधी परिवार के इर्द-गिर्द ही घूमती है। जहां कांग्रेस ने संविधान के अनुच्छेदों का उपयोग केवल सत्ता में बने रहने के लिए किया, वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रे मोदी जी की सरकार हर अनुच्छेद के महत्व को नागरिकों तक पहुंचाने की जागरूकता अभियान चला रही है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान देश को दिया, उसे कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए मोड़ा, तोड़ा और बदला। मोदी सरकार उसी संविधान को आधार बनाकर हर वर्ग के कल्याण और अधिकारों की गारंटी दे रही है– यही असली सम्मान है बाबा साहेब को। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता–ये चार स्तंभ सिर्फ किताबों में नहीं, आज मोदी सरकार में नीति और शासन का आधार बन चुके हैं। कांग्रेस ने इन सिद्धांतों को दिखावे की बातें बनाकर रखा, जबकि मोदी सरकार इन्हें नीति, योजना और क्रियान्वयन के स्तर पर सशक्त कर रही है। लोकतंत्र सेनानियों का ही संघर्ष है जिसके परिणाम स्वरुप भारत में लोकतंत्र पुर्नस्थापित हुआ। आज देश की प्रगति के पीछे लोकतंत्र सेनानियों का बलिदान आधार का पत्थर है। जिसके कारण लोकतंत्र पुर्नस्थापित हुआ और 2014 में भाजपा के श्री नरेंद्र मोदी जैसे व्यक्तित्व के रूप में भारत को महान नायक मिला जिनके नेतृत्व में लोकतंत्र की जड़ें बहुत मजबूत व गहरी हुईं, तुष्टीकरण संतुष्टीकरण में बदला, पूरा भारत एक हुआ, आतंकवाद की कमर टूटी, 11 वीं अर्थव्यवस्था से देश विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बना, सीमाएं सुरक्षित हुईं, माताओं बहनों के सम्मान की रक्षा हुई, भ्रष्टाचार, घपले, घोटालों का अंत हुआ, भारत ने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया, विकसित भारत-2047 के संकल्प की सिद्धि के लिए रात दिन एक करके सघन प्रयास प्रारंभ कर दिया। आज जब हम अमृतकाल की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं,

युद्ध से युद्ध का अंत नहीं होता

डॉ. एस.के. मिश्र

हाल में 10 जून को मध्य गाजा में अमेरिका समर्थित एक मानवीय समूह द्वारा संचालित सहायता वितरण स्थल पर हजारों विस्थापित लोगों के पंहुचने के दौरान इजरायली गोलाबारी से कम से कम 17 फिलिस्तीनी मारे गए तथा दर्जनों घायल हो गए। उल्लेखनीय है कि इजरायली सैन्य क्षेत्र के अंदर स्थित इजरायल और अमेरिका समर्थित 'गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशनइ के सहायता वितरण केंद्र पर लगभग प्रत्येक दिन गोलीबारी की घटना घटित हो रही है।

इजरायल का स्पष्ट कहना है कि उसने हमास पर लगाम लगाने के लिए यह व्यवस्था की है, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने इस नवीन व्यवस्था को यह कह कर नकार दिया है कि इसके कारण गाजा में व्याप्त भुखमरी के संकट का समाधान नहीं किया जा सकेगा और इजरायल इस सहायता वितरण केंद्र को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करेगा। इजरायली सेना के प्रवक्ता एफी डिफ्रिन का कहना है, 'हमास ने हताहतों की संख्या बहुत बढ़ा-चढ़ा कर बताई है।इ इजरायल सुरक्षा बल (आईडीएफ) और इजरायल सुरक्षा एजेंसी ने घोषणा की कि उन्होंने 36 वर्षीय एक थाई नागरिक नट्टपोंग पिंटा का शव बरामद किया है, जिसे 7 अक्टूबर के हमले के दौरान मुजाहिदीन ब्रिगेड ने अगवा कर लिया था। उस बीच हमास की सशस्त्र शाखा अल कस्साम ब्रिगेड ने दावा किया कि इजरायली सेना गाजा में एक विशेष स्थान की घेराबंदी कर रही है, जहां इजरायली बंधक को रखा गया है और जिसकी पहचान प्रवक्ता अब्बू ओबेदा ने मतन जंगाउकर के रूप में की है।

इधर अबू ओबेदा ने चेतावनी दी कि दुश्मन उसे जिंदा नहीं पकड़ सकेगा। इजरायल ने इस दावे पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है। इजरायल का मानना है कि उसके सैन्य अभियान बड़ी सतर्कता से चलाए जा रहे हैं। इजरायली सेना ने 9 जून की सुबह गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के किए जा रहे एक जलयान को जब्त कर लिया और उसमें सवार सामाजिक कार्यकर्ता स्वीडन निवासी ग्रेटा थनवर्ग तथा अन्य जलवायु कार्यकत्ताओं को हिरासत में ले लिया। वास्तव में ये कार्यकर्ता गाजा पट्टी में जारी इजरायल के सैन्य अभियान का विरोध करने वाले थे, क्योंकि मानवीय सहायता के प्रवेश पर इजरायल द्वारा प्रतिबंधों के कारण 20 लाख फिलिस्तानी आबादी वाले क्षेत्र में अकाल की स्थिति पैदा होने का संकट खड़ा हो गया है।

ग्रेटा थनबर्ग गाजा ले रही सहायता सामग्री वाले 'मैडलीनइ नामक जहाज पर सवार 12 यात्रियों में से एक थीं। वास्तव में 'फ्रीडम फ्लोटिला कोलिशनइ नामक संगठन गाजा पट्टी क्षेत्र में मानवीय मूल्यों की सुरक्षा हेतु सहायता द्वारा पहुंचाने और इजरायल द्वारा की गई घेरेबंदी तथा युद्ध के दौरान उसके आचरण अथवा व्यवहार का विरोध करने और फिलिस्तानियों तक राहत सामग्री की आपूर्ति करने के लिए ही इस यात्रा का विशेष आयोजन किया गया था। इस संगठन के अनुसार इजरायली नौ सेना ने जलयान को गाजा से लगभग 200 किमी. की दूरी पर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में जब्त कर लिया। 'फ्रीडम फ्लोटिला कोलिशनइ सहित अन्य अनेक अधिकार समूहों ने इजरायल की इस कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून व नियमों का उल्लंघन करार दिया।

दूसरी ओर, इजरायल ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा कि इस प्रकार के जलयान गाजा में उसकी नौ सैनिक नाकाबंदी का उल्लंघन करते हैं। इजरायल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस्त्रसल की नौ सेना के साथ गिरफ्त में लेकर अपने आदोह बंदरगाह लाया गया। इजरायल में ग्रेटा और अन्य कार्यकत्राओं का प्रतिनिधित्व करने वाले कानूनी अधिकार समूह अदाला के अनुसार ग्रेटा थनबर्ग, दो अन्य कार्यकर्ता और एक पत्रकार भी स्वयं ही इजरायल छोड ? के लिए सहमत हो गए हैं। इजरायल के विदो मंत्रालय ने सामाजिक कार्यकताओं की इस यात्रा को 'जनसंपर्क का हथकंडाइ बताया। इजरायल नौ सेना के सैनिकों द्वारा सामाजिक कार्यकताओं को आवश्यक जलपान की व्यवस्था भी की गई। वास्तव में इस संगठन का प्रमुख उद्देश्य विश्व नेताओं पर फिलिस्तीनी क्षेत्र में इजरायल के नरसंहार युद्ध को समाप्त करने के लिए दबाव डालना ही है। हमास के कब्जे के जवाब में इजरायल द्वारा गाजा में बाहरी लोगों एवं उनके द्वारा आपूर्ति किए जाने वाली सामग्री के प्रवाह को पूरी सख्ती के साथ प्रतिबंधित कर दिया गया है। एक जानकारी के अनुसार गाजा के लगभग 70 प्रतिशत कर्मचारी बेरोजगार हो गए या उन्हें वेतन नहीं मिला तथा लगभग 80 प्रतिशत निवासी अपना जीवनयापन दयनीय स्थिति में कर रहे हैं। हमास के कब्जे के बाद से गाजा और इजरायल में फिलिस्तानी सशस्त्र समूहों में टकराव अनवरत जारी है। हमास गाजा में प्रतिद्वंद्वी इस्लामवादी गुटों के साथ भी संघर्ष में आया है, जो सलाफी-जिहादवाद का पालन करते हैं। ब्रिटेन के कब्जे वाले पश्चिमी तट में 'फिलिस्तानी समुदायइ के विरुद्ध बार-बार हिंसा भड़काने के आरोप में दो अति दक्षिणपंथी इजरायली मंत्रियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

नए भारत की नई कहानीः ग्रोथ मार्केट से ग्रोथ इंजन तक

एक राष्ट्र की प्रगति केवल उसके आर्थिक सूचकांकों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उस विकास से आम जनजीवन में कितनी गरिमा, अवसर और आत्मबल का संचार हुआ है। जब हम आज भारत की ओर देखते हैं, तो यह केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक जाग्रत समाज की तस्वीर है, जो आगे बढ़ता जानता है, जो अपने अतीत से सीखता है और अपने भविष्य को स्वयं गढ़ रहा है। मेरे लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर, जो वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 7.4 प्रतिशत रही, एक आकंड़ा मात्र नहीं है। यह उस किसान की मेहनत का सम्मान है, जिसने आधुनिक तकनीक को अपनाकर पैदावार बढ़ाई। यह उस महिला उद्यमी की कहानी है, जिसने स्वयं सहायता समूह से यात्रा शुरू कर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पाद दुनिया तक पहुंचाए। यह उस युवा इंजीनियर का आत्मविश्वास है, जिसने मेक इन इंडिया के अंतर्गत नौकरी ढूंढ़ने के बजाय नौकरी देने वाला बना। आज भारत की औसत विकास दर 6.5 प्रतिशत है, और नॉमिनल जीडीपी 330 ट्रिलियन को पार कर चुकी है। जीएसटी संग्रह लगातार दो महीने 2 लाख करोड़ से ऊपर रहा है। यह आर्थिक आत्मबल अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह गाँवों, छोटे कस्बों और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचा है। डिजिटल क्रांति ने भारत के सामाजिक ताने-बाने में एक ऐतिहासिक परिवर्तन लाया है। गाँव का एक युवा अब मोबाइल से भुगतान करता है, सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे खाते में प्राप्त करता है और ऑनलाइन पढ़ाई के माध्यम से अपने सपनों को साकार करता है। आज यूपीआई के जरिए 25 ट्रिलियन से अधिक ट्रांजैक्शन हो चुके हैं। यह डिजिटल समावेशन केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं है, यह सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण का नया अध्याय है।

भारत ने वैश्विक व्यापार में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। केवल अप्रैल 2025 में ही भारत से 3 मिलियन आईफोन आईफोन एक्सपोर्ट हुए, चीन से तीन गुना ज्यादा। यह दशार्ता है कि भारत अब केवल बाजार नहीं, ग्लोबल वैल्यू चेन का प्रमुख स्तंभ बन चुका है। बीते दशक में भारत में 500 बिलियन से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है, जो इनोवेशन, रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोल रहा है।

हमारे किसान भी इस बदलाव के सशक्त भागीदार बने हैं। आज 51 मिलियन किसानों के पास डिजिटल किसान आईडी है, जिससे उन्हें उनकी भूमि, फसल और योजनाओं का सीधा लाभ मिलता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, डिजिटल मंडियाँ, और आत्मनिर्भर कृषि मिशन जैसे प्रयासों ने उन्हें सहयोगी नहीं, सहभागी बनाया है।

0 गिरिराज सिंह

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1361

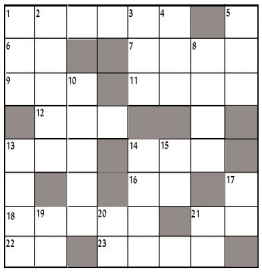

1	2			3	4	■	5
6		■	■	7		8	
9		10	■	11			
■	12			■	■		■
13			■	14	15		■
	■		■	16		■	17
18	19		20		■	21	
22		■	23				■

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1980 में इस महान पार्श्वगायक का निधन हुआ था (6)
6. बर्फ, नीहार, मिहिका (2)
7. मर्मज्ञ, जो किसी का गुप्त भेद जानता हो (4)
9. ऊंची आवाज में बोली लगाकर माल बेचने का ढंग (3)
11. भय या शर्म के कारण कांप उठना (4)
12. शक, संदेह, भ्रम (3)
13. असघन, अनुपम (3)
14. तलहटी, भिक्षा झोली, आंचल, पल्ला (3)
16. महिला ईसाई पादरी को यह कहा जाता है (2)
18. भारत की प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना जिसे रवीन्द्रनाथ टैगोर ने नृत्य साम्राज्ञी कहकर संबोधित किया था (5)
21. 332 द्वीपों वाले फिजी देश की राजधानी यह है (2)
22. वह वाद्य जिसमें तार लगे हो (2)
23. वर देने वाला, अभीष्ट दायक, वरदायक, वरप्रद (4)

ऊपर से नीचे

1. भगवान विष्णु का एक रूप (3)
2. आक्रमण करने वाला, आक्रमणकारी (5)
3. पुस्तक पठन आधार (3)
4. यह शरीर की सबसे बड़ी हड्डी है (3)
5. घोर ध्वरि करना, दहाड़ना, घनकना (3)
8. यह भारत का सीमावर्ती राज्य है इसकी पश्चिमी सीमा और उत्तर पश्चिमी सीमा पाकिस्तानी सीमा के साथ मिली हुई है (4)
10. जनान खाना को यह भी कहते है (5)
13. उन्न्त, वर्धकाय, प्रफुल्ल (4)
14. पुराणानुसार कर्ण अधिक दान के कारण इस उपाधि से विभूषित थे (4)
15. हृदय, दिल, चित (2)
17. यह इंडोनेशिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला द्वीप है (2)
19. पिता, पैदा करने वाला, पूज्य व्यक्ति (2)
20. देवता, सुर, ईश्वर (2)
21. पुत्री, बेटी (2)

वर्ग पहेली 1360 का हल

रा	मा	कि	न	■	सिं	ड	र
ह	म	ला	■	■	हा	ल	त
त	ला	■	त	म	स	■	ना
इं	■	पा	■	ज्ञा	न	व	र
दौ	र	■	ना	क	■	जू	■
री	ति	■	द	र	ब	द	र
■	प	र	ना	ना	■	■	बा
का	ति	ब	■	■	श	बा	ब

एकदा

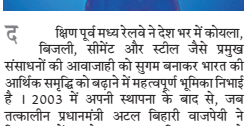

भारत के आर्थिक विकास में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की भूमिका

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने देश भर में कोयला, बिजली, सीमेंट और स्टील जैसे प्रमुख संसाधनों की आवाजाही को सुगम बनाकर भारत की आर्थिक समृद्धि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । 2003 में अपनी स्थापना के बाद से, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने बिलासपुर में इस क्षेत्र का उद्घाटन किया था, तब से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे माल और यात्री दोनों की आवाजाही को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरा है । बिलासपुर में मुख्यालय वाला दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा जैसे खनिज समृद्ध राज्यों में परिचालन करता है । यह केंद्रीय रूप से स्थित क्षेत्र कोयले के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है, जो इसके तत्काल भौगोलिक क्षेत्र से परे थर्मल पावर प्लांट और उद्योगों का समर्थन करता है । आवश्यक संसाधनों का निरंतर प्रवाह सुनिश्चित करके इस रेल्वे ने औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है । हाल के वर्षों में, भारत के तेजी से बुनियादी ढांचे के विकास और बिजली, सीमेंट, कोयला और इस्पात क्षेत्रों के विस्तार ने कच्चे माल के परिवहन की मांग को बढ़ा दिया है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने कोयले और अन्य खनिजों की आवाजाही का सफलतापूर्वक प्रबंधन करते हुए इस मांग को प्रभावी ढंग से पूरा किया है । यह देश की आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने में सहायक रहा है ।

0 लव कुमार मिश्रा

राशिफल

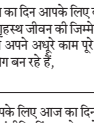

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14 .04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपको कुछ ऐसा मिलेगा जिसकी आपको बहुत दिनों से ख्वाहिश थी। आज किसी इम्पोर्टेन्ट विषय में अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढ़ने की कोशिश करें।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा हो सकता हैं। गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों को निभाने का पूरा प्रयास करेंगे। छात्र अपने अधूरे काम पूरे कर लेंगे। परिवार में धार्मिक आयोजन के योग बन रहे हैं,

मिथुन राशिः आपके लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला रहेगा। इंजीनियरिंग करने वाले छात्रों के लिए आज जॉब के अच्छे ऑफर मिल सकते है। आज दिखावे की प्रवृत्ति की वजह से बेवजह कामों में धन खर्च हो सकता है, अपने बजट को नजरअंदाज ना करें,

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। आज निजी जीवन में सकारात्मकता लाने की कोशिश करेंगे और इसके लिए आप किसी महापुरुष का अनुसरण करेंगे। आपकी ज्यादातर योजनाएं पूरी हो सकती है।

सिंह राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपके शत्रु परास्त होंगे। अगर आप नया वाहन लेने का विचार कर रहे है तो परिवार वालों से आपको मदद मिल सकती है। आपके काम के प्रति मेहनत देख कर आपके जूनियर आपसे सीखने की कोशिश करेंगे। दूसरे लोग भी आपकी योजना से प्रभावित होंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निपटाने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। धैर्य और विनम्रता बनाये रखें। पुरानी समस्याओं पर दोस्तों से बातचीत होगी।

तुला राशिः आपके लिए आज का दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज किसी विशेष कार्य के प्रति चल रहे प्रयासों के आज बेहतर परिणाम मिलेंगे। लेकिन अपने उसूलों के साथ आप किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। भाई - बहनों के साथ रिश्तों में मजबूती आयेगी, किसी काम में उनका सहयोग भी मिलेगा आज आपकी निजी समस्या सुलझ सकती है। आपका व्यापार भी अच्छा चलेगा। आज आप पुराने दोस्तों से मिलने की कोशिश करेंगे।

धनु राशिः आपके लिए आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपके नए विचार तथा जागरूकता आपके आत्मविश्वास तथा आत्मबल को बढ़ाएंगे। आज रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वापस मिल सकता है।

मकर राशिः आपके लिए आज का दिन ठीक झ ठाक बना रहेगा। अपने करियर को लेकर आप थोड़ा उलझन में रह सकते है। आप अपने गुरु से करियर के बारे में परार्मश ले सकते है। आज कार्यस्थल के कामों में उलझनें आएंगी, लेकिन समस्याओं से निजात पाने का रास्ता भी ढूंढ लेंगे।

कुम्भ राशिः आपके लिए आज का दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा। आज आपको जो अच्छा लगता है, उस काम में समय बिताएं। इससे आपको शांति और ऊर्जा मिलेगी। अपने कामों को बहुत सावधानी और कुशलता से करेंगे। संतान की ओर से शुभ समाचार प्राप्त होगा। आज की गई मेहनत के निकट भविष्य में बेहतरीन परिणाम मिलने वाले हैं।

मीन राशिः आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आपको बिजनेस में कोई बड़ी डील मिल सकती है। इससे आपको धनलाभ हो सकता है। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। आज आपकी मेहनत और सूझबूझ से आपकी उम्मीदें तथा आशाएं पूरी होगी।

सऊदी अरब में जॉब चाहिए? इन तरीकों से चुटकियों में मिल जाएगी नौकरी

सऊदी अरब भारतीयों के बीच नौकरी के लिए एक पॉपुलर देश है। यहां पर 24 लाख से ज्यादा भारतीय रह रहे हैं। हर साल भारत से हजारों की संख्या में लोग खाड़ी के इस देश में काम करने के लिए जाते हैं। सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था तेल पर निर्भर है और जीडीपी का एक बड़ा हिस्सा तेल से होने वाली आय है। इसके अलावा इस रेगिस्तानी देश ने अब टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी और इंटरटेनमेंट जैसे सेक्टर्स पर भी ध्यान देना शुरू किया है, ताकि तेल से निर्भरता कम हो सके।

सऊदी सरकार के इन हालिया फैसलों की वजह से यहां नौकरियों की भरमार है। आप चाहें कंस्ट्रक्शन वर्कर्स हों या फिर सॉफ्टवेयर इंजीनियर, सऊदी अरब में इन दिनों हर किसी को नौकरी दी जा रही है। सबसे अच्छी बात ये है कि सऊदी अरब में किसी तरह का टैक्स सिस्टम नहीं है, जिस वजह से वर्कर्स को उनकी पूरी सैलरी मिलती है। हालांकि, अब यहां सवाल उठता है कि अगर किसी को सऊदी में जॉब चाहिए तो उसे ये किस तरह मिलेगी।

खाड़ी के इस देश में नौकरियों के अवसर तो है, लेकिन आपको मालूम होना चाहिए आप किस तरह से इनका फायदा उठा सकते हैं। यहां हर बड़ी कंपनी धीरे-धीरे अपना दफ्तर भी खोल रही है, जिससे नौकरिया पैदा हो रही हैं। सऊदी में नौकरी पाने के चार मुख्य तरीके हैं

ऑनलाइन जॉब पोर्टल

GulfTalent, Bayt, Naukrigulf जैसे ऑनलाइन जॉब पोर्टल पर आपको सऊदी अरब की कंपनियों की वैकेंसी की डिटेल्स मिल जाएंगी। यहां से आप सीधे नौकरियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा सऊदी में नौकरी के लिए LinkedIn भी अच्छा प्लेटफॉर्म है।

रिक्रूटमेंट एजेंसी

भारत में कई सारी रिक्रूटमेंट एजेंसी ऑपरेट कर रही हैं, जो सऊदी अरब की कंपनियों के लिए लोगों को हायर करती हैं। राजधानी दिल्ली से लेकर मुंबई तक में इन रिक्रूटमेंट एजेंसियों के ऑफिस हैं, जहां से आप नौकरी से जुड़ी जानकारी ले सकते हैं। ये एजेंसिया आपसे कुछ पैसे भी चार्ज करेंगी।

कंपनी वेबसाइट्स

सऊदी अरब की कंपनियों की अपनी वेबसाइट्स होती हैं, जहां पर वैकेंसियों की डिटेल्स अपलोड की जाती है। आप जिस कंपनी में नौकरी करना चाहते हैं, उसकी वेबसाइट पर जाकर नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं।

नेटवर्किंग

LinkedIn जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए आप उन लोगों से कनेक्ट कर सकते हैं, जो पहले ही सऊदी अरब में जॉब कर रहे हैं। नेटवर्किंग कर आप उनसे उनकी कंपनी में निकलने वाली वैकेंसी के बारे में जान सकते हैं। अगर वो आपको रेफरल दे देते हैं, तो फिर आपके लिए जॉब पाना आसान हो जाएगा।

इवेंट मैनेजमेंट क्षेत्र में कैसे बनाएं करियर

आजकल किसी भी इवेंट को भव्य तरीके से ऑर्गेनाइज करने का चलन जोरो पर है और इसके लिए लोग इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों से संपर्क करते हैं। ऐसे में इसकी मांग को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। अगर आपको भी इस तरह के प्रोग्राम को हैंडल करना और ऑर्गेनाइज करना अच्छा लगता है, तो आप भी इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकती हैं।

आज हर इवेंट की पहली मांग ग्लैमर और स्टाइल है। शादी समारोह हो या गेट-टुगेदर, ऑफिस की पार्टी हो या घर का कोई फंक्शन, इवेंट मैनेजर के बिना ये सारे समारोह सही तरीके से ऑर्गेनाइज नहीं हो सकते। हर इवेंट को बिल्कुल सही तरह से ऑर्गेनाइज करने का जिम्मा इवेंट मैनेजर कंधों पर होता है। आजकल किसी भी इवेंट को भव्य तरीके से ऑर्गेनाइज करने का चलन जोरो पर है और इसके लिए लोग इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों से संपर्क करते हैं। ऐसे में इसकी मांग को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। अगर आपको भी इस तरह के प्रोग्राम को हैंडल करना और ऑर्गेनाइज करना अच्छा लगता है, तो आप भी इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकती हैं। तो चलिए जानते हैं इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आपको क्या करना होगा।

इवेंट मैनेजर का काम क्या है

इवेंट मैनेजर प्रोफेशनल, फोकस्ड और पर्सनल इवेंट्स ऑर्गेनाइज करते हैं। जिसमें कॉरपोरेट मिटिंग्स, सेमिनार, प्रॉडक्ट लॉन्चिंग, मैरिज सेलिब्रेशन, फिल्म अवार्ड फंक्शन, थीम पार्टीज, फैशन और सेलिब्रिटी शो, एग्जीबिशन, म्यूजिकल कॉन्सर्ट आदि शामिल हैं।

इवेंट मैनेजमेंट कोर्स करवाने वाले प्रमुख संस्थान-

- अमेठी इंस्टिट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट, दिल्ली
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट, मुंबई
- एकेडमी ऑफ एनिमेशन आर्ट एंड टेक्नोलॉजी, कोलकाता
- इंटरनेशनल सेंटर फ़ॉर इवेंट मैनेजमेंट, दिल्ली
- इंस्टिट्यूट ऑफ एज्युकेशनल लीडरशीप, देहरादून
- अजमेर इंस्टिट्यूट ऑफ मीडिया स्टडीज़, बरेली
- एकेडमी ऑफ ब्रॉडकास्टिंग, चंडीगढ

क्वालिफिकेशन

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आपका 12वीं पास होना बहुत जरूरी है। 12वीं के बाद आप इस क्षेत्र में आगे की पढ़ाई कर सकती हैं।

कोर्सेस उपलब्ध हैं

इवेंट मैनेजमेंट के क्षेत्र में करियर बनाना है तो आप डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट एंड पब्लिक रिलेशन्स जैसे कोर्स (इंटीरियर डिजाइनर कोर्स से जुड़ी बातें) कर सकते हैं।

क्वालिटी क्या होनी चाहिए

परफेक्ट प्लानिंग, गुड कम्युनिकेशन स्किल, गुड पब्लिक रिलेशनशीप, बेहतर बजटिंग, प्रेजेंटेशन स्किल, लीडरशीप क्वलिटी, नॉलेज, अच्छी कल्पना शक्ति, ज्यादा समय तक काम करने की क्षमता, मार्केटिंग और बिजनेस क्षेत्र की कुशल जानकारी होना बहुत जरूरी है।

जॉब की संभावनाएं

- इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में आप एक इवेंट मैनेजर या कंसल्टेंट के तौर पर जॉब कर सकती हैं।
- आप अपनी खुद की इवेंट मैनेजमेंट कंपनी भी खोल सकती है।
- टेलीविजन शोज और एड फील्ड से जुड़कर उनके प्रॉडक्ट के लिए काम कर सकती हैं।

इवेंट इंडस्ट्री में फंडिंग बहुत ही जरूरी होती है। पैसों की कमी के कारण आप कुछ क्रिएटिव नहीं कर पाएंगी और ना ही इवेंट के लिए जरूरी साजों-सामानों की व्यवस्था कर पाएंगी। इसलिए आपके पास अच्छा बजट होना बहुत जरूरी है। ताकि आप अपना बिजनेस शुरू कर सकें।

नेटवर्किंग स्किल का होना

इवेंट मैनेजमेंट का काम एक अकेला व्यक्ति नहीं कर सकता। इसके लिए आपको एक टीम के साथ काम करना होता है। इवेंट स्टार्टअप को सफल बनाने के लिए इंडस्ट्री से जुड़े सभी लोगों के साथ आपकी अच्छी जान पहचान होनी चाहिए। आपका नेटवर्क मजबूत होना चाहिए, ताकि आपको किसी भी तरह के समान की जरूरत पड़ने पर वह आपको तुरंत मिल जाए।

मार्केटिंग बहुत जरूरी

इवेंट मैनेजमेंट सिर्फ एक ऑर्गेनाइजिंग इवेंट नहीं होता, बल्कि इसके लिए प्लानिंग प्रोसेस में टाइम और मार्केटिंग अहम होती है, जो इवेंट को सफल बनाते हैं। अपने इवेंट को सफल बनाने के लिए आपको सोशल मीडिया का सहारा लेना होगा और उसपर भी मार्केटिंग करनी होगी। मार्केटिंग के लिए सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफॉर्म है।

सैलरी कितनी

इस क्षेत्र में महीने की सैलरी के अलावा प्रति इवेंट के हिसाब से भी सैलरी दी जाती है। मैनेजमेंट कोर्स कंप्लीट करने के बाद फ्रेशर्स की कमाई कम से कम पांच सौ से एक हजार रुपए प्रतिदिन होती है। अपने अनुभव और क्रिएटिविटी के आधार पर आप आठ हजार से दस हजार रुपए तक प्रति इवेंट कमा सकती हैं। इस क्षेत्र में ज्यादा अनुभव हो जाने पर आप पचास हजार से एक लाख रुपए प्रति इवेंट कमा सकती हैं।

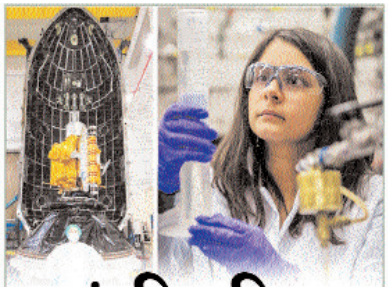

अंतरिक्ष विज्ञान क्षेत्र में रोजगार के पर्याप्त अवसर

भारत का नाम अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में विश्व के उन चंद गिने-चुने देशों में शामिल है जिनके स्वदेशी क्षमता से बने उपग्रह अंतरिक्ष में चक्कर काट रहे हैं। इसके साथ ही अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने दुनिया से एक कदम आगे बढ़ाते हुए दूसरे देशों को अपनी प्रतिभा बेचना शुरू भी कर दिया है। ऐसे में इस क्षेत्र में रोजगार के पर्याप्त अवसर बने हैं। दरअसल भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में थोड़े समय में जो उपलब्धिया हासिल की हैं वह बेमिसाल हैं। आज भारत का इनसेट, संचार, मौसम विज्ञान और प्राकृतिक आपदा संबंधी पूर्वानुमान लगाने की अनोखी क्षमता रखता है। आज इस तकनीकी पर दुनिया के कई देश निर्भर हैं। भारत में अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित तमाम गतिविधियों का संचालन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन करता है। जिसका मूल उद्देश्य विभिन्न उपयोगों के लिए उपग्रह संचार प्रणाली कायम करना है। इसका कार्य उपग्रह आधारित प्रबंधन और पर्यावरण निगरानी व्यवस्था उपलब्ध करवाना, मौसम विज्ञान संबंधी और प्राकृतिक आपदाओं की चेतावनी देने वाली प्रणाली स्थापित करना है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यर्थी के लिए इस क्षेत्र में कई दरवाजे खुले हैं। जिनमें इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग इंस्टमेंटेशन, कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी, एयर कंडीशनिंग और इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग है। अंतरिक्ष विज्ञान के डिप्लोमा या सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में विज्ञान के छात्र ही प्रवेश ले सकते हैं। साथ ही स्तानक में कम से कम 60 प्रतिशत अंक होने जरूरी हैं। इस पाठ्यक्रम के लिए फिजिक्स और कैमेस्ट्री के छात्रों को वरीयता दी जाती है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन हर साल संयुक्त परीक्षा का आयोजन करता है। इसकी परीक्षा दिल्ली, बैंगलोर, आंध्र प्रदेश और अहमदाबाद में होती है। परीक्षा का आयोजन सिर्फ अंग्रेजी माध्यम से किया जाता है। परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाते हैं। इसके अलावा कुछ प्रश्न क्रिएटिव भी होते हैं। इस परीक्षा में सफल उम्मीदवार को सीधा दाखिला मिल जाता है। इस क्षेत्र में जहा तक नौकरी मिलने का सवाल है तो पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने वाले अभ्यर्थी के भाग्य का दरवाजा खुद ब खुद खुल जाता है। अंतरिक्ष विभाग और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों के अलावा कुछ भारतीय उद्योगों में भी अंतरिक्ष वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, वायुमंडलीय विज्ञान, रासायनिक इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी, नियंत्रण प्रणाली, पावर सिस्टम सुदूर संवेदन में रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

इन संस्थानों में अंतरिक्ष विज्ञान पाठ्यक्रम में पढ़ाई की जा सकती है

- प्रशिक्षण संस्थान भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद।
- अंतरिक्ष भौतिक प्रयोगशाला, तिरुअनंतपुरम।
- अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, अहमदाबाद।
- इसरो उपग्रह केंद्र, बैंगलौर।
- राष्ट्रीय स्ट्रैटोस्फीयर ट्रोपोस्फीयर रडार सुविधा गंडकी, तिरूपति।

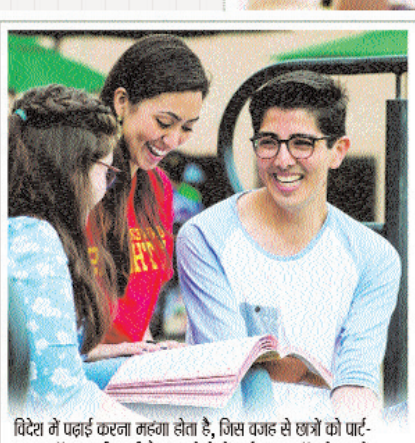

विदेश में पढ़ाई करना महंगा होता है, जिस वजह से छात्रों को पार्ट-टाइम जॉब करनी पड़ती है। कुछ देशों में पार्ट-टाइम जॉब से लाखों रुपये महीने तक कमाए जा सकते हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में तो पार्ट-टाइम जॉब काफी ज्यादा पॉपुलर है।

क्या स्टूडेंट्स को पढ़ाई के साथ पार्ट-टाइम जॉब करनी चाहिए

यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करना महंगा होता है, अगर आप किसी दूसरे देश में जाकर पढ़ रहे हैं तो खर्च और भी ज्यादा बढ़ जाता है। दुनियाभर में रहने-खाने का खर्च भी तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करते हुए पार्ट-टाइम जॉब करना एक अच्छा ऑप्शन नजर आता है। छात्रों को अपने खर्च निकालने, ट्यूशन फीस भरने या कुछ एक्स्ट्रा पैसे के लिए काम करने की जरूरत पड़ती है। अमेरिका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक जैसे देशों में पार्ट-टाइम जॉब की इजाजत है।

हालांकि, हर देश में पार्ट-टाइम जॉब करने की अवधि तय है। भले ही नौकरी करने की कोई भी वजह हो, लेकिन इसकी वजह से आपको फायदा जरूर मिलता है। ना सिर्फ आप अच्छे पैसे कमा पाते हैं, बल्कि नेटवर्किंग का भी ऑप्शन मिलता है। मगर इसका नुकसान भी है, जैसे बहुत से स्टूडेंट्स पार्ट-टाइम जॉब की वजह से अपनी पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पाते हैं।

पार्ट-टाइम जॉब के फायदे

पैसा कमाने का मौका - पार्ट-टाइम नौकरी करने का सबसे बड़ा फायदा तो यही है कि आपके पास एक्स्ट्रा पैसे होंगे। आजकल महंगाई इतनी बढ़ गई है कि स्टूडेंट्स के लिए अपने खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में पार्ट-टाइम जॉब आपको आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस करा सकती है। पार्ट-टाइम जॉब से आप घूमने जा सकते हैं, अपने लिए कुछ खरीद सकते हैं या भविष्य के लिए पैसे बचा सकते हैं।

CV को बेहतर बनाना - यूनिवर्सिटी में पार्ट-टाइम जॉब करने से आपको वर्क एक्सपीरियंस मिलता है। इससे आपकी सीवी बेहतर बनती है और आपको नौकरी मिलने में आसानी होती है। आप टीम में काम करना, बात करना और प्रॉब्लम सॉल्व करना सीखते हैं। ये सब चीजें आपको नौकरी के लिए एक अच्छा उम्मीदवार बनाती हैं। पार्ट-टाइम जॉब से आपको कमाई के साथ वर्क एक्सपीरियंस मिलता है।

नए दोस्त बनाने का ऑप्शन - दुनिया के किसी दूसरे हिस्से में पढ़ने जाने पर अपने घर-परिवार से दूर होना पड़ता है। पार्ट-टाइम जॉब आपको नए लोगों से मिलने का मौका देती है। इससे आप नए दोस्त बना सकते हैं, अलग-अलग संस्कृतियों के बारे में जान सकते हैं और यूनिवर्सिटी के बाहर भी अपना नेटवर्क बना सकते हैं।

नेटवर्किंग का मौका - पार्ट-टाइम नौकरी करने से आप सिर्फ दोस्त ही नहीं बनाते, बल्कि ऐसे लोगों से भी मिल सकते हैं जो आपको सलाह और मदद दे सकते हैं। आप अपना प्रोफेशनल नेटवर्क बना सकते हैं। इससे आपको इंटर्नशिप, मेंटरशिप और नौकरी के अवसर मिल सकते हैं।

ज्यादा कॉन्फिडेंट बनना - पार्ट-टाइम नौकरी करने के लिए आपको टाइम मैनेजमेंट और ऑर्गेनाइजेशनल स्किल्स की जरूरत होती है। काम और पढ़ाई को एक साथ करने के लिए आपको अपनी जिम्मेदारियों को प्राथमिकता देना और अपने समय का सही इस्तेमाल करना सीखना होगा। जब आप काम और पढ़ाई को सफलतापूर्वक बैलेंस कर पाएंगे, तो आपको बहुत अच्छा लगेगा।

पार्ट-टाइम जॉब के नुकसान

स्ट्रेस लेवल बढ़ना - पार्ट-टाइम नौकरी करने से आपकी जिंदगी में तनाव बढ़ सकता है। काम, पढ़ाई और एग्जाम को एक साथ मैनेज करना मुश्किल हो सकता है। लेकिन आप टाइम मैनेजमेंट सीखकर अपने स्ट्रेस लेवल को कम कर सकते हैं।

सोशल लाइफ के लिए कम समय - कई पार्ट-टाइम नौकरियों में अजीब समय पर काम करना पड़ता है। इससे आपकी यूनिवर्सिटी लाइफ प्रभावित हो सकती है। आपके पास कैंपस में होने वाली एक्टिविटीज में भाग लेने या दोस्त बनाने के लिए ज्यादा समय नहीं होगा।

पढ़ाई का बाधित होना - कई बार ऐसा भी होता है कि पार्ट-टाइम जॉब्स की टाइमिंग रात में होती है, जिस वजह से बहुत से छात्र दिन में क्लास नहीं अटेंड कर पाते हैं। ऐसा होने पर उनकी पढ़ाई बाधित होने लगती है।

ऑपरेशन सिंदूर के विजेता प्रतिभागी राष्ट्रीय पर्व पर होंगे सम्मानित

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। भारतीय सशस्त्र सेना के शौर्य और अदम्य साहस के प्रतीक ऑपरेशन सिंदूर पर जिला स्तरीय ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। हिंदी साहित्य भारती जिला एमसीबी इकाई के द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभागियों से 1 हजार शब्दों में मौलिक अप्रकाशित निबंध आमंत्रित किए गए थे। कार्यक्रम के संयोजक एवं हिंदी साहित्य भारती के जिला अध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने बतलाया कि प्रतियोगिता के दौरान प्राप्त प्रविष्टियों पर विशिष्ट निर्णायकों के निर्णय के उपरांत प्रथम स्थान प्राप्त निबंध लिखने वाले प्रतिभागी को 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। श्रेष्ठ प्रशंसनीय पांच निबंध को विशेष प्रोत्साहन पुरस्कार दिए जाएंगे।

आपातकाल विभीषिका दिवस पर मीसा बंदियों का भावपूर्ण सम्मान, रैली निकाल कर देश में लोकतंत्र की रक्षा का किया गया स्मरण

कोरिया बैकुंठपुर - आपातकाल की ५०वीं वर्षगांठ के अवसर पर आपातकाल में जेल यात्रा करने वाले मीसा बंदियों का सम्मान किया गया। कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन और जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डा आशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन मे यह आयोजन बैकुंठपुर स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के ऑडिटोरियम में किया गया। इस आयोजन में वर्ष १९७५ के आपातकाल के समय मीसा के तहत जेल गए लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन कोरिया के तत्वावधान में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य उस कठिन दौर की स्मृतियों को जनमानस में जीवित रखना और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हुए संघर्ष को नमन करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत विधि से मीसा बंदी प्रेमनारायण तरकिहार और दिवंगत मीसा बंदी कृष्ण बिहारी उपाध्याय की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रवती उपाध्याय के स्वागत सम्मान से किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंच मे जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता, प्राचार्य अमृत लाल गुप्ता, नगरपालिका बैकुंठपुर के पूर्व अध्यक्ष शैलेश शिवहरे सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। श्री शिवहरे ने आपातकाल के दौर को याद करते हुए इसे संविधान की निर्मम हत्या बताया और कहा कि २५ जून १९७५ भारत के लोकतंत्र के इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में दर्ज है। उन्होंने कहा कि सत्ता की निरंकुशता ने उस समय देश की जनता की अभिव्यक्ति और स्वतंत्रता का गला घोंट दिया था। भावुक क्षण तब आया जब चंद्रवती उपाध्याय ने आपातकाल के दौरान हुए अत्याचारों को याद किया और बताया कि कैसे निर्दोष नागरिकों को बिना किसी अपराध के जेलों में ठूंसा गया। उन्होंने उपस्थित जनों को उन दर्दनाक दिनों की यातनाएं याद दिलाईं। मीसा बंदी प्रेमनारायण तरकिहार ने बताया कि २६ जून १९७५ को उनके नाम का गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था और उन्हें अंबिकापुर जिला कारावास में भेजा गया, जहां उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया और सड़ा-गला भोजन परोसा गया। उन्होंने आपातकाल के समय की तानाशाही प्रवृत्तियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में वीडियो प्रजेंटेशन के माध्यम से आपातकालीन स्थितियों और उसके परिणामों को विद्यार्थियों और नागरिकों को दिखाया गया। स्काउट दल और विद्यालय की छात्राओं ने रैली निकालकर संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के संकल्प को दोहराया। अंत में शैलेश शिवहरे द्वारा मीसा बंदियों को शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सम्पूर्ण गविधिधियों का संचालन योगेश गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या मे विद्यालय की छात्राएं, शिक्षकगण, अभिभावक एवं नागरिक उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

ओवरलोड वाहनों पर यातायात पुलिस की बड़ी कार्यवाही

कोरिया बैकुंठपुर - जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में आज यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई तेज हो गई है। आज यातायात पुलिस ने देवी दर्शन से लौट रही एक पिकअप वाहन को पकड़ा, जिसमें तय मानक से कहीं अधिक सवारी भरी गई थी। ओवरलोडिंग न सिर्फ यात्री सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि सड़क हादसों की प्रमुख वजह भी बनती है। पुलिस ने वाहन को रोककर सभी सवारियों को सुरक्षित नीचे उतारा और थाने ले जाकर उन्हें यातायात नियमों की जानकारी दी। इस दौरान वाहन चालक के खिलाफ चालान की कार्यवाही भी की गई।

यातायात प्रभारी बीरबल राजवाड़े ने बताया कि लगातार मिल रही शिकायतों के बाद ओवरलोड वाहनों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए तय मानकों का पालन करें और नियमों को नजर अंदाज न करें। पुलिस की यह मुहिम आने वाले दिनों में और सख़्ती के साथ जारी रहेगी।

पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेश शिवहरे ने बाजार पारा मे पानी निकासी की व्यवस्था बनाई

कोरिया बैकुंठपुर - जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में बारिश का पानी बाजारपारा रोड में जमा होने से ग्रामीण जनों को आने-जाने में दिक्कत हो रहा था। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेश शिवहरे को जैसे ही पता चला कि रोड में पानी जमा हुआ है तो तत्काल वहां पर खड़े होकर डील मशीन चलवा कर पानी को जोड़ा तालाब में डलवाया इस अवसर पर ठेकेदार अरविंद सिंह उर्फ डब्ल्यू,बाबू सोनी, भूरी खान,एवं नगर पालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे.

सड़क सुरक्षा के तहत 46 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित

कोरिया बैकुंठपुर - सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी कमेटी के दिशा-निदेर्शों के अनुपालन में जिला कोरिया एवं मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर क्षेत्र के विभिन्न थानों द्वारा मोटरयान अधिनियम/नियमों का उल्लंघन करते पाए गए वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। इसके अंतर्गत उल्लंघन करने वाले चालकों के विरुद्ध ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन हेतु प्रकरण तैयार कर जिला परिवहन अधिकारी, कोरिया को प्रस्तावित किए गए। सुनवाई का अवसर प्रदान करने के उपरांत कुल ४६ चालक अनुज्ञप्ति धारकों के लाइसेंस को तीन माह की अवधि के लिए निलंबित किया गया। यह निर्णय जिला परिवहन अधिकारी एवं अनुज्ञप्ति प्राधिकार द्वारा लिया गया है। निलंबन अवधि में संबंधित चालक वाहन चलाने के पात्र नहीं होंगे। साथ ही, भविष्य में यदि वे पुनः मोटरयान अधिनियम/नियमों का उल्लंघन करते पाए जाते हैं, तो उनके लाइसेंस को छह माह तक के लिए निलंबित किया जाएगा।

शराब के नशे में पत्नी से विवाद के बाद कर दी हत्या

बिश्रामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम करमपुर में मंगलवार की मध्यरात्रि में शराब के नशे में पति पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद पति ने ४६ वर्षीय पत्नी की हत्या कर दी।मृतिका के पुत्र की सूचना पर पुलिस ने आरोपी पति हरबंश चेरवा ४८ वर्ष के खिलाफ हत्या का अपराध दर्ज कर लिया है।बिश्रामपुर थाने के एएसआई देवनाथ चौधरी ने बताया कि थाना क्षेत्र के ग्राम करमपुर बरपारा निवासी हरबंश चेरवा और उसकी पत्नी सोमारी बाई ४६ वर्ष मंगलवार के शाम दोनों ने साथ में शराब का सेवन किया और खाने के बाद दोनों घर पर ही थे दोनों के बीच नशे की हालत में कुछ विवाद हुआ जिसके बाद देर रात हरबंश ने पत्नी सोमारी बाई की हत्या कर दी।पुलिस के पूछताछ में आरोपी ने नशे की हालत में विवाद के दौरान धक्का देने पत्नी के सिर के बल फर्श में गिर जाने से मौत होना बताया जा रहा है।पुलिस ने बताया कि मृतिका के शीर के पिछले हिस्से में काफी चोट आई है ।आज दूसरे दिवस मृतक का पुत्र गौरव चेरवा बिश्रामपुर थाना पहुंच घटना की जानकारी दी है जिसके बाद पुलिस ने आरोपी पति हरबंश के खिलाफ हत्या का केस बीएनएस की धारा १०३(१) दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।विलंब से सूचना और शिकायतकर्ता के समय पर नहीं पहुंचने की वजह से मृतिका का आज बुधवार को पीएम नहीं हो पाया है।पुलिस ने बताया कि मृतिका के छह बच्चे है जो सभी बाहर रहते हैं घर में पति पत्नी अकेले रहते हैं।

रीयल एस्टेट फर्म सैफ्रॉन कॉर्पोरेट में जीएसटी ने दी दबिश

रायपुर। तेलीबांधा मेक इन इंडिया चौक के पास स्थिति रीयल एस्टेट फर्म सैफ्रॉन कॉर्पोरेट में जीएसटी के 5 अधिकारियों की टीम ने दबिश दी और दस्तावेजों की जांच कर रही है। इससे पहले कल एक अन्य टीम ने पंडरी कपड़ा मार्केट में कपड़े और फर्नीचर के तीन शो रूम में दबिश देकर जांच किया था।

किसानों को दलहन और तिलहन की फसलों के लिए करें प्रोत्साहित श्रीमती चंदन त्रिपाठी

कृषि विभाग की बैठक में खाद बीज उपलब्धता को लेकर गहन समीक्षा, लापरवाह तीन कृषि अधिकारियों के वेतन रोकने के निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर - संयुक्त कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आज कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिले में सभी सहकारी समितियों में खरीफ फसलों की बुआई हेतु किसानों के लिए खाद और बीज की उपलब्धता को लेकर समिति वार गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। कृषि अधिकारियों को पूरे जिले के किसानों को प्रधानमंत्री किसान योजना से जोड़ने के लिए कार्ययोजना बनाकर पंजीयन कार्य करने और संपूर्ण बोनी के प्रस्तावित क्षेत्र में अधिकतम दलहन और तिलहन की फसल लगाने हेतु प्रोत्साहित कर धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान में आयोजित किए जा रहे शिविरों में इन बीजों को वितरित करने के निर्देश दिए।

किसान अपनाएं ५ परसेंट मॉडल - जिले के वनांचल सोनहत जनपद पंचायत में सैकड़ों किसानों द्वारा जल संरक्षण हेतु ५ परसेंट मॉडल को बेहद तेजी से अपनाया जा रहा है। यह जल संरक्षण अभियान में एक बहुत प्रभावी कार्य है। कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन ने इस संरचना को प्रत्येक किसान के लिए उपयोगी बतलाते हुए सभी कृषि अधिकारियों को पांच परसेंट मॉडल पूरे जिले में प्रत्येक किसान के खेतों में बनवाने हेतु सभी को निर्देशित करते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन ने कहा कि यह एक बेहद कारगर उपाय है जिसकी लागत शून्य होकर परिणाम बेहद कारगर हैं। सभी ग्राम पंचायतों के किसानों के खेतों में स्वाइल टेस्टिंग कराने और रिपोर्ट अनुसार खेतों में खाद का उपयोग कराए जाने के सुझाव दिए जाने हेतु निर्देशित किया।

समिति में रखें पर्याप्त खाद बीज - खरीफ फसलों की बुआई का समय आ चुका है और ऐसे में किसानों के लिए हर दिन महत्वपूर्ण होता है। किसी भी किसान को खाद या बीज के लिए परेशान न होना पड़े इसके लिए सभी सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज भंडारण किया गया है। इसकी निरंतरता बनाए रखने के हेतु श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि प्रत्येक सहकारी समिति प्रबंधक, कृषि विस्तार अधिकारी, विपणन अधिकारी से निरंतर समन्वय बनाकर रखें जिससे सभी जगहों पर मांग से अधिक मात्रा में खाद बीज उपलब्ध रहे।

जैविक खेती है लाभदायक - जिले में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए दलहन, तिलहन और पारंपरिक फसलों का उत्पादन क्षेत्र बढ़ाने पर बल देते हुए श्रीमती चंदन ने कहा कि जिला प्रशासन कोरिया प्रत्येक जैविक उत्पाद को राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि किसान अपने पारम्परिक सुगंधित धान जीराफूल की फसल को भी जैविक खाद का उपयोग कर ज्यादा क्षेत्र में बुवाई करें।

किसानों को मिले केसीसी का लाभ - प्रत्येक सहकारी समिति में खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही प्रत्येक समिति में दर्ज छोटे किसानों को शत प्रतिशत केसीसी पंजीयन कर उन्हें केसीसी लिमिट का लाभ दिलाने हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर किसान को एग्रीस्टेक पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीयन कराएं। आने वाले समय में उन्हें सभी सुविधाएं इसी पोर्टल पर पंजीयन के आधार पर प्राप्त होंगी।

अमानक खाद बीज पर करें कार्यवाही - समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने ने कहा कि जिले में संचालित प्रत्येक दुकान की नियमित जांच कर खाद और बीज का परीक्षण कराएं। यदि कहीं भी अमानक स्तर पर खाद या बीज बिक्री पाई जाती है तो तत्काल प्रभाव से रोक लगाएं और ऐसे विक्रेताओं पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही प्रस्तावित करें।

लापरवाही पर तीन का रुका वेतन - कृषि विस्तार अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर कोरिया ने जिले में कार्यरत सभी कृषि विस्तार अधिकारी से एक एक कर लक्ष्य और उसके अनुसार प्रगति पर जानकारी ली। अपने पदीय दायित्वों में लापरवाही बरतने वाले बैकुंठपुर जनपद क्षेत्र में कार्यरत सहायक कृषि विस्तार अधिकारी रीता लकड़ा, राकेश पैकरा और अमित लकड़ा के आगामी आदेश तक वेतन रोकने के निर्देश दिए।

अच्छे कार्यो हेतु प्रोत्साहन भी - आज आयोजित बैठक में अच्छा कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने आगामी राष्ट्रीय पर्व पर उन्हें पुरस्कार देने के निर्देश दिए। सोनहत जनपद में कार्यरत सहायक कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा कृषि दायित्वों के साथ जल संरक्षण हेतु किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कलेक्टर कोरिया ने दिनेश कुमार पटेल, रामजीत ध्रुव और रोहित सिंह की सराहना की।

इस बैठक में उप संचालक कृषि, मार्कफेड की जिला विपणन अधिकारी, सहायक पंजीयक सहकारी समिति और जिले भर के वरिष्ठ और सहायक कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में किया जा रहा लघु धान्य फसलों का क्षेत्र विस्तार

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले की भौगोलिक स्थिति एवं जलवायु के मद्देनजर कृषि विभाग द्वारा केन्द्र पोषित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत जिले में लघु धान्य फसलों जैसे रागी, कोदो के क्षेत्र विस्तार हेतु अभियान चलाकर कृषकों को उक्त फसलों की दैनिक जीवन एवं स्वास्थ्य पर होने वाले लाभों के प्रति जागरूक करते हुए प्रदर्शन आयोजन किये जा रहे हैं। उप संचालक कृषि लाल सिंह आर्मो ने बताया कि दैनिक आहार में रागी, कोदो का सेवन रक्तचाप एवं शुगर जैसी बीमारियों को नियंत्रित करने में एक सार्थक भोजन है साथ ही फसल परिवर्तन कर मृदा स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाते हुए कृषकों के आर्थिक स्तर में सुधार किया जा सकता है। जिसके लिए जिले के समस्त विकास खंडों में रागी, कोदो फसलों का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसमें उक्त फसलों के बीज निःशुल्क वितरण किए जा रहे हैं एवं समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जायेगा जिससे लघु धान्य फसलों के क्षेत्र विस्तार हेतु कृषकों की रूची को बढ़ाया जा सके। जिले में कुल 400 हेक्टेयर में फसल प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है।

प्रदेश में अवैध अप्रवासियों की सूचना के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रदेश सरकार ने राज्य की आंतरिक सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने तथा अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर पुलिस विभाग द्वारा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-233-1905 जारी किया गया है, जो सप्ताह के सभी दिनों में 24 घंटे सक्रिय रहेगा। इस हेल्पलाइन के माध्यम से राज्य के किसी भी कोने से नागरिक अपने क्षेत्र में मौजूद संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों अथवा उनकी गतिविधियों की सूचना सीधे पुलिस प्रशासन को दे सकते हैं। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान को पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा, जिससे कोई भी नागरिक बिना किसी डर या संकोच के राष्ट्रहित में प्रशासन के साथ सहयोग कर सके। किसी नागरिक को अपने आसपास किसी संदिग्ध या अवैध अप्रवासी की मौजूदगी की आशंका हो, तो वह अब इस टोल फ्री नंबर पर निःशुल्क कॉल करके पुलिस को सूचना दे सकता है। यह पहल केवल सूचना देने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता को सशक्त करने की दिशा में एक जनभागीदारी आधारित प्रयास है। अक्सर अवैध अप्रवासी पहचान के अभाव में आपराधिक या असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाते हैं, जिससे स्थानीय शांति व्यवस्था बाधित होती है। ऐसे में जागरूक नागरिकों की भागीदारी पुलिस प्रशासन के लिए निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

जनभागीदारी से स्वच्छता के उच्च मानक निर्धारित कर सकती हैं ग्राम पंचायतें - डॉ आशुतोष

जिले की ग्राम पंचायतों में निजी सर्वेक्षण संस्था द्वारा जल्द होगा आकस्मिक स्वच्छता सर्वेक्षण

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत के ग्राम पंचायतों में जल्द ही स्वच्छता सर्वेक्षण होना है। इसके लिए भारत सरकार द्वारा एक निजी एजेंसी को सर्वेक्षण कार्य सौंपा गया है। स्वच्छ भारत मिशत अंतर्गत प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर स्वच्छता सर्वेक्षण कराए जाने के प्रावधान हैं। यह ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के स्तर को प्रोत्साहित करने और इसमें जनभागीदारी बढ़ाए जाने के लिए किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर नियुक्त एजेंसी द्वारा आज से लेकर अगस्त माह तक में किसी भी समय किसी भी ग्राम पंचायत में पहुंचकर यह सर्वेक्षण किया जाएगा। जिले के किसी भी ग्राम पंचायत में सर्वेक्षण टीम द्वारा यह औचक निरीक्षण की तरह पहुंचकर किया जाएगा। इस सर्वेक्षण के द्वारा एजेंसी द्वारा चार बिंदुओं के आधार पर ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के मानक स्तर तय किए जाएगे। एजेंसी द्वारा निर्धारित पैरामीटर के आधार पर जिले की स्वच्छता रैंकिंग तय की जाएगी। ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत होने वाले औचक सर्वेक्षण में जिले को उत्कृष्ट स्थान दिलाने के लिए जनभागीदारी को सर्वाधिक महत्वपूर्ण बतलाते हुए जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने क्लीन कोरिया ग्रीन कोरिया का नारा दिया है। इसके शत प्रतिशत प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा। स्वच्छता सर्वेक्षण में जिले को अच्छा स्थान दिलाने के लिए उन्होंने कई बिंदुओं पर अपने सुझाव साझा करते हुए कहा कि कोरिया जिले के हर ग्राम पंचायत में रहने वाले प्रत्येक रहवासी अपने शौचालय का उपयोग करें और उसकी नियमित साफ-सफाई पर ध्यान दें। सभी घरों से निकलने वाले दूषित जल को सोख्ता गढ़ढों में या फिर किचन गार्डन में उपयोग करें। उन्होने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर घरो में निकलने वाले हरे कचरे से जैविक खाद बनाकर खेतों और बाड़ी में उपयोग करे। अपने आस पास साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें और साथ ही कंही भी कचरा ना फेंकें। डॉ आशुतोष ने कहा कि ग्राम स्तर पर प्रत्येक संस्थाएं जैसे स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र, धार्मिक स्थान, ग्राम पंचायत भवन, हाट बाजार परिसरों में स्वच्छता के लिए तरल एवं ठोस कचरा प्रबंधन के लिए डस्टबिन आदि का उपयोग करें।

सर्वेक्षण के विषय - राष्ट्रीय स्तर पर नियुक्त की गई एजेंसी एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा जिले में स्वच्छता सर्वेक्षण किया जाना है। एक हजार अंको में रैंकिंग का निर्धारण के लिए जनता की राय, सेवा स्तर पर की गई प्रगति, सर्वेक्षण में पाए गए तथ्य और कचरे के निपटान के लिए स्थापित इकाईयों के प्रचलन की स्थिति यानी कुल चार बिंदु तय किए गए हैं। इन पैरामीटरों पर सर्वे दल द्वारा मौके पर ही मार्किंग की जाएगी जिससे ग्राम पंचायत और फिर जिले में स्वच्छता की रैंकिंग प्रदान की जाएगी।

शिविरों में आदिवासी समुदाय को मिल रहा योजनाओ का लाभ

कोरिया बैकुंठपुर - देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के करोड़ों आदिवासी परिवारों, ग्रामों में बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने के साथ इनके विकास के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है। इससे जरूरतमंद व वंचित तबके को लाभ मिलने लगा है। कोरिया जिले में चल रहे 'धरती आबा जनभागीदारी अभियान' की सफलता में जनसामान्य के बीच उत्साह और जागरूकता का जोड़ बना हुआ है। इस अभियान के माध्यम से ग्रामीण आदिवासी समुदाय के लोग सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर रहे हैं, जिससे उनका जीवन स्तर संवरेगा।

आज जनभागीदारी शिविर के अंतर्गत ग्राम पंचायत रनई, चिरगुड़ा, कोचिला, पटना, नांदभान, करहियाखांड, जमडी, आजोखुर्द, सावारावा, जूनापारा और डुमरिया में शिविर लगाए गए और जनजातीय समुदाय से प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई कर हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया गया। धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के तहत आयोजित शिविर में आधार कार्ड - ०२, आयुष्मान भारत कार्ड - ०४, पेंशन योजना - ०३, जनधन खाता - ०२, सिकल सेल परीक्षण - ६३, नवीन राशन कार्ड - ०५, निवास प्रमाण पत्र - ४, मनरेगा - ५, एवं पीएम जीवन ज्योति बीमा - ०१ के हितग्राहियों को लाभ दिया गया।

Sports Live

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म सितारे जमीन पर ने पहले दिन कमाए 11.7 करोड़, दमदार शुरूआत से बढ़ी उम्मीदें

काफी समय से आमिर खान फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म आखिरकार 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को समीक्षकों की तरफ से हरी झंडी मिली, वहीं आमिर ने भी हमेशा की तरह अपनी उम्दा अदाकारी से लोगों का दिल जीत लिया है। इसके बावजूद भी फिल्म की पहले दिन की कमाई औसत रही। आइए जानें सितारे जमीन पर ने पहले दिन कैसा प्रदर्शन किया। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सितारे जमीन पर ने रिलीज के पहले दिन यानी शुक्रवार को 11.7 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने हिंदी में 11.5 करोड़ रुपये, तमिल में 5 लाख रुपये और तेलुगू में 15 लाख रुपये कमाए हैं। हालांकि, ये शुरूआती आंकड़े हैं और आधिकारिक आंकड़े सामने आने के बाद उनमें थोड़ा बहुत फेरबदल हो सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि वीकेंड पर सितारे जमीन पर कितनी कमाई करती है।

भारत को इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में 5 विकेट से हराया

0-बेन डकेट और जो रूट ने शुभमन गिल के हाथों से छीनी जीत

लीड्स,25 जून। इंग्लैंड ने भारत को लीड्स के हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में 5 विकेट से हरा दिया है. इस मैच में भारत ने पहली पारी 471 रन बनाए और इंग्लैंड को पहली पारी में 465 रन पर रोक दिया और 6 रनों की मामूली बढ़त हासिल की. भारत ने दूसरी पारी में 364 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 371 का लक्ष्य दिया और इंग्लैंड ने बेन डकेट के शतक, जैक क्रॉली और जो रूट के शानदार अर्धशतकों के चलते 82 ओवर में 5 विकेट खोकर 373 रन बनाकर 5 विकेट से जीत हासिल कर ली. इस हार के साथ भारत पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से पिछड़ गया है.

इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में भारत के खिलाफ 371 रनों का लक्ष्य हासिल कर इतिहास रच दिया. इंग्लैंड का ये इंग्लैंड में दूसरा सबसे हाईएस्ट सफल रन चेज है. ये इंग्लैंड का ओवरऑल टेस्ट क्रिकेट में दूसरा सबसे हाईएस्ट सफल रन चेज है. इंग्लैंड का भारत के खिलाफ भी ये दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज है.इसके साथ ही ये इंग्लैंड का हेडिंग्ले में टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज बन गया है. इससे पहले इंग्लैंड ने 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस मैदान पर अपना सबसे उच्चतम सफल रन चेज हासिल किया था. तब इंग्लैंड ने 359 रनों का सफल रन चेज हासिल किया था. भारत की ओर से इस मैच में एक नहीं बल्कि चार-चार बल्लेबाजों ने शतक लगाए. भारत के लिए यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत और केएल राहुल ने शतक लगाए. पंत ने तो दोनों पारियों में शतक लगाया. इन सभी की शतकीय पारियां भी भारत को जीत नहीं दिला पाईं. क्योंकि भारत के निचले क्रम के बल्लेबाज पूरी तरह से फ्लोप साबित हुए. इनके अलावा जसप्रीत बुमराह ने पहली पारी में फाइव विकेट हॉल भी हासिल किया लेकिन वो भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए. क्योंकि बाकी गेंदाबजों ने उनका इतना साथ नहीं दिया.

इस मैच के पांचवें दिन जब भारतीय गेंदबाजों को 10 विकेट चाहिए थे तो वहीं इंग्लैंड को जीत के लिए 350 रनों की जरूरत थी. ऐसे में बेन डकेट ने 149 रनों की शतकीय पारी खेलकर भारत को जीत से दूर कर दिया. इसके बाद जब डकेट आउट हुए तो भारत के जीतने की उम्मीद जागी लेकिन जो रूट ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिला दी. भारत अगर डकेट और फिर रूट का विकेट जल्दी चटका लेता तो शायद मैच का परिणाम कुछ और हो सकता था.

भारत ने पहली पारी में 113 ओवर में 10 विकेट खोकर 471 रन बनाए. भारत के लिए पहली पारी में यशस्वी जायसवाल ने 159 बॉल में 16 चौके और 1 छक्के के साथ 101 रनों की शतकीय पारी खेली. कप्तान शुभमन गिल ने 227 बॉल में 19 चौके और 1 छक्के की मदद से 147 रनों की पारी खेली. इन दोनों के अलावा ऋषभ पंत ने 178 बॉल में 12 चौके और 6 छक्कों की मदद के साथ 134 रनों की पारी खेली. केएल राहुल ने भी 42 रनों का योगदान दिया. इंग्लैंड के लिए बेन स्टोक्स और जोश टंग ने 4-4 विकेट हासिल किए.

इंग्लैंड ने पहली पारी में 100.4 ओवर में 10 विकेट गंवाकर 465 रन बनाए और भारत ने 6 रनों की बढ़त हासिल की. इंग्लैंड के लिए पहली पारी में ओली पोप ने शतक लगाया. उन्होंने 137 बॉल में 14 चौकों के साथ 106 रनों की पारी खेली. हैरी ब्रूक ने इंग्लैंड के लिए 112 बॉल में 11 चौके और 2 छक्कों के साथ 99 रनों की पारी खेली. जेमी स्मिथ ने 40 और क्रिस बोक्स ने 38 रनों की पारी खेली. भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 24.4 ओवर में 83 रन देकर 4 विकेट चटकाए और 5 मेडन ओवर भी डाले. उनके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 और मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट हासिल किए.

भारत ने दूसरी पारी में 6 रनों लीड को आगे बढ़ाते हुए 96 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 364 रन बनाए और इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रनों का लक्ष्य दिया. भारत के लिए दूसरी पारी में केएल राहुल ने 247 बॉल में 18 चौकों की मदद से 137 रनों की पारी खेली, तो वहीं ऋषभ पंत ने 140 बॉल में 15 चौके और 3 छक्कों की मदद से 118 रनों की पारी खेली और एक टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले भारत के पहले विकेटकीपर और 7वें बल्लेबाज बने. इंग्लैंड के लिए ब्रायडन कार्स और जोश टंग ने 3-3 जबकि शोएब बशीर ने 2 विकेट हासिल किए.

इंग्लैंड ने 90.3 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 371 रन बनाकर पांचवें दिन 3 विकेट से जीत दर्ज कर ली. इंग्लैंड की जीत के हीरो बैन डकेट रहे. उन्होंने 170 बॉल में 21 चौकों और 1 छक्के की सहायता से 149 रनों की पारी खेली. उनके अलावा जैक क्रॉली ने 126 बॉल पर 7 चौकों के साथ 65 रनों का योगदान दिया. इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम योगदान कप्तान बैन स्टोक्स ने भी दिया. उन्होंने 51 गेंदों में 4 चौकों के साथ 33 रनों की पारी खेली.

छोटी खबरें

लीड्स टेस्ट हारने के बाद भारत के नाम जुड़ा शर्मनाक रिकॉर्ड

0-टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

हेडिंग्ले (लीड्स),25 जून। इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड, लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया को करारी हार का सामना करना पड़ा. इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने मैच की पहली और दूसरी पारी में कुल 5 शतक लगाए, लेकिन फिर भी टीम इंडिया मैच बचाने में नाकाम रही. इंग्लैंड ने 5वें और आखिरी दिन सलामी बल्लेबाज बेन डकेट के शानदार शतक की मदद से चौथी पारी में 371 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रच दिया. इंग्लैंड ने टेस्ट इतिहास का 10वां सबसे बड़ा रन चेज पूरा कर लिया. साथ ही यह भारत के खिलाफ टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज भी है. पहली पारी में 3 और दूसरी पारी में 2 शतक लगाने के बावजूद भारत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के लिए खेले गए पहले टेस्ट मैच को हार गया. इस करारी हार के साथ ही भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक ऐसा शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है जो पहले कभी नहीं देखा गया. 148 साल के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि कोई टीम 5 व्यक्तिगत शतक लगाने के बाद भी टेस्ट मैच हार गई. यह पहली बार था जब भारत ने एक टेस्ट मैच में 5 व्यक्तिगत शतक लगाए. साथ ही यह छठा मौका था जब किसी टीम ने दोनों पारियों में 5 व्यक्तिगत शतक लगाए. हालांकि, पिछले 5 मौकों में से किसी में भी कोई टीम 5 व्यक्तिगत शतक लगाने के बाद टेस्ट नहीं हारी थी. इससे पहले ऑस्ट्रेलिया केवल ऐसी टीम थी जो सबसे ज्यादा 4 व्यक्तिगत शतक के बावजूद टेस्ट मैच हार गई थी. ऑस्ट्रेलिया ने 1928/29 में एक टेस्ट में 4 व्यक्तिगत शतक लगाए थे, लेकिन वह मैच हार गया था. अब भारतीय टीम सबसे ज्यादा 5 व्यक्तिगत शतक लगाने के बावजूद किसी टेस्ट मैच को गंवाने वाली पहली टीम बन गई है. भारत ने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 471 रन बनाए थे. इसके बाद इंग्लैंड ने 465 रन बनाए. भारतीय टीम की दूसरी पारी 364 रनों पर समाप्त हुई. इस तरह इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रनों का लक्ष्य मिला, जो उसने 5 विकेट रहते हुए आसानी से हासिल कर लिया. इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने 5 मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र में भारत का यह पहला मैच था. वहीं, नवनियुक्त टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में भी यह भारत का पहला टेस्ट मैच था. इस मैच से भारतीय क्रिकेट में गिल-गंभीर युग की शुरूआत हुई है, लेकिन टीम को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. भारत ने इस मैच में कुल 835 रन बनाए. टीम के बल्लेबाजों ने दोनों पारियों में मिलाकर कुल 5 शतक लगाए. आज तक भी भारत ने किसी भी टेस्ट में 5 शतक नहीं लगाए थे. इसके बाद भी टीम इंडिया का मैच हारना बेहद शर्मनाक है.

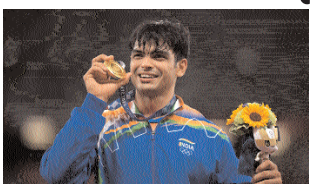

बॉक्स ऑफिस पर बजट वसूलने के लिए संघर्ष कर रही हाउसफुल 5, 15वें कमाए इतने करोड़ रुपये

अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन और रितेश देशमुख जैसे दिग्गज सितारों की अदाकारी से सजी फिल्म हाउसफुल 5 को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 15 दिन पूरे हो गए हैं। उनकी यह फिल्म 6 जून को रिलीज हुई थी और पहले दिन से ही यह बॉक्स ऑफिस पर बढि ?ा कमाई कर रही है। हालांकि, अब हर गुजरते के साथ फिल्म के कारोबार में गिरावट जारी है। आइए जानें फिल्म ने अब तक कितने करोड़ रुपये बटोर लिए हैं।

नीरज चोपड़ा ने रचा इतिहास, ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक डेब्यू में जीता गोल्ड मेडल

ओस्ट्रावा (चेक गणराज्य),25 जून। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने इतिहास रच दिया है. चोपड़ा ने मंगलवार को प्रतिष्ठित ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में पहली बार गोल्ड मेडल जीता, जो विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर श्रेणी ए इवेंट है. हालांकि नीरज अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 90.23 मीटर से चूक गए, लेकिन उन्होंने 9 पुरुषों के बीच आसानी से अपना दबदबा बनाया. खास बात यह है कि उनके सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर इस इवेंट में नहीं थे. दक्षिण अफ्रीका के डॉव स्मिथ ने 84.12 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता, जबकि उन्होंने पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटरसन को पछाड़ दिया, जिन्हें 83.63 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा. भारतीय भाला फेंक स्टार ने इस इवेंट में अपने प्रदर्शन में काफी निरंतरता दिखाई. उन्होंने 4 वैध थ्रो दर्ज किए, और वे सभी 80 मीटर के निशान से परे थे. आखिरी थ्रो से वे उत्साहित थे और उन्होंने ओस्ट्रावा के दर्शकों से अपने आखिरी प्रयास के लिए उनका साथ देने का अनुरोध किया, लेकिन बड़े फिनिश की उनकी योजनाएं धरी की धरी रह गईं क्योंकि वे आगे बढ़ गए, जिसके परिणामस्वरूप फाउल हुआ. नीरज के लिए निर्णायक क्षण उनके तीसरे प्रयास में आया क्योंकि वे दूसरे प्रयास तक दूसरे स्थान पर थे. हालांकि, उन्होंने तीसरे थ्रो में 85.29 मीटर का थ्रो किया और इसके साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक पक्का कर लिया. उसके बाद कोई भी 85 मीटर के निशान के करीब नहीं आ पाया और उन्होंने शानदार अंदाज में गोल्ड मेडल जीता.

20 जून को पेरिस डायमंड लीग में जीत के बाद यह जीत नीरज की लगातार दूसरी जीत थी. यह 2025 सीजन में नीरज का पांचवां प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन था. उन्होंने अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पोच आमंत्रण मीट में जीत के साथ सीजन की शुरूआत की, इससे पहले दोहा डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे, जहां उन्होंने 90.23 मीटर के थ्रो के साथ अपने करियर में पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया और भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड को फिर से बनाया.

वह पोलैंड में जानूस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में दूसरे स्थान पर रहे और इसके बाद पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर का थ्रो दर्ज करते हुए जीत दर्ज की. बता दें कि, नीरज 5 जुलाई को भारत की पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता - नीरज चोपड़ा क्लासिक में एक बार फिर एक्शन में नजर आएंगे.

टेस्ट क्रिकेट में भारत की गिर रही साख, पिछले 9 में 7 मुकाबलों में मिली हार

नईदिल्ली,25 जून। टेस्ट क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट टीम का हालिया प्रदर्शन चिंता का विषय बन गया है। एक समय दुनिया की सबसे मजबूत टीम मानी जाने वाली इस टीम ने अपने पिछले 9 टेस्ट मुकाबलों में से 7 में हार झेली है, जो उसकी गिरती साख को साफ दशार्ता है। चाहे विदेशी पिचों पर असफलता हो या गेंदबाजों की नाकामी, टीम हर मोर्चे पर संघर्ष करती नजर आई है। ऐसे में आइए टीम के पिछले प्रदर्शनों पर एक नजर डालते हैं। साल 2024 में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम भारत के दौरे पर 3 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने आई थी। सीरीज का पहला मुकाबला बेंगलुरु में खेला गया था। इस मुकाबले में भारतीय टीम को 8 विकेट से हार मिली थी। इसके बाद दूसरा टेस्ट मैच पुणे में हुआ और उसे भी कीवी टीम ने 113 रन से जीत लिया था। सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई में खेला गया, जिसमें भारतीय टीम को 25 रन से हार मिली थी। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहला मौका था, जब भारत ने अपने घर पर खेलते हुए 3 मैचों की सीरीज के सभी मैच गंवाए थे। भारत ने 1933-34 में पहली बार टेस्ट क्रिकेट में किसी देश की मेजबानी की थी। कीवी टीम भारतीय सरजमीं पर पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने में कामयाब रही थी। इससे पहले भारतीय टीम साल 2000 में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के हाथों क्लीन स्वीप हुई थी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का पहला टेस्ट पर्थ में खेला गया। भारत ने इस मुकाबले में 295 रन से जीत दर्ज की, लेकिन इसके बाद टीम का प्रदर्शन गिरता गया। एडिलेड में दूसरा टेस्ट भारत 10 विकेट से हार गया। तीसरा मुकाबला गाबा में ड्रॉ रहा। मेलबर्न में चौथे टेस्ट में भारत को 184 रन से हार का सामना करना पड़ा। सिडनी में खेले गए आखिरी टेस्ट में टीम को 6 विकेट से हार मिली और सीरीज 3-1 से गंवा दी। लगातार मिल रही हारों के बाद रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया, जबकि विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन ने भी यह प्रारूप छोड़ दिया। शुभमन गिल को टीम की कप्तानी सौंपी गई। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत ने 5 शतक लगाए और जसप्रीत बुमराह ने 5 विकेट भी लिए, बावजूद इसके टीम को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

-------------------------- व्यापार/फिल्म --------------------------

शेयर बाजार ग्रीन जोन में खुला, सेंसेक्स 376 अंक उछला, निफ्टी 25,147 पर

मुंबई,25 जून। कारोबारी सप्ताह के तीसरे दिन शेयर बाजार हरे निशान पर खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 376 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,432.10 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.41 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,147.85 पर खुला.

करीब 1621 शेयरों में तेजी, 479 शेयरों में गिरावट और 124 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ. निफ्टी पर टाइटन कंपनी, एनटीपीसी, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एमएंडएम प्रमुख लाभ में रहे, जबकि कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस में गिरावट दर्ज की गई.

कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन शेयर बाजार ग्रीन जोन में बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 158 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,055.11 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.29 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,044.35 पर बंद रहा.

सेक्टरवार लाभ पाने वालों में, निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, उसके बाद निफ्टी मेटल में 1.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई. अन्य लाभ पाने वालों में निफ्टी बैंक, ऑटो, प्राइवेट बैंक और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स शामिल थे - प्रत्येक में 0.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई. नुकसान उठाने वालों में निफ्टी मीडिया में 1 फीसदी की गिरावट आई.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान और इजराइल के बीच युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद व्यापक एशियाई बाजारों में तेजी के चलते मंगलवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी 50 मजबूत बढ़त के साथ कारोबार किए.

निवेशकों ने रेलवे टिकट के बढ़े दाम का किया स्वागत, रॉकेट बने आईआरसीटीसी के शेयर

मुंबई,25 जून। 25 जून यानी बुधवार को आईआरसीटीसी के शेयरों में 2 फीसदी से अधिक की उछाल आई. ऐसी खबरें आई थीं कि भारतीय रेलवे 1 जुलाई, 2025 से देश भर में यात्री किराए में बढ़ोतरी लागू करेगा, जो कोविड-19 महामारी के बाद पहली ऐसी बढ़ोतरी है. आपको बता दें कि आईआरसीटीसी (इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन) भारतीय रेलवे की एक सहायक कंपनी है जो ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग, खानपान और पर्यटन पैकेज जैसी सेवाओं के लिए जिम्मेदार है. यह नवरत्न का दर्जा प्राप्त एक बड़ी पूंजी वाली पीएसयू कंपनी है. पीएसयू फर्म के शेयर में 1 महीने में 3.07 फीसदी, 6 महीने में 1.78 फीसदी, वर्ष-दर-वर्ष 2.62 फीसदी और 1 वर्ष की समय सीमा में 22.77 फीसदी की गिरावट आई है. रिपोर्ट के मुताबिक नॉन-एसी कोच के लिए किराए में 1 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी, जबकि एसी क्लास में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी. हालांकि, 500 किलोमीटर तक की दूरी के लिए उपनगरीय ट्रेनों और साधारण द्वितीय श्रेणी की यात्रा के किराए में कोई बदलाव नहीं होगा.

500 किलोमीटर से ज्यादा की दूसरी श्रेणी की यात्रा के लिए यह बढ़ोतरी बहुत कम होगी. सिर्फ 0.5 पैसे प्रति किलोमीटर बढ़ाया गया है. इसके अलावा मासिक सीजन टिकट पर कोई असर नहीं पड़ेगा, जिससे रोजाना यात्रा करने वालों को राहत मिलेगी. किराए में संशोधन के साथ-साथ भारतीय रेलवे तत्काल टिकट बुकिंग के नियमों को भी सख्त कर रहा है. 1 जुलाई, 2025 से केवल वे यात्री ही ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट वेबसाइट या मोबाइल ऐप के जरिए तत्काल टिकट बुक कर सकेंगे जिन्होंने आधार सत्यापन पूरा कर लिया है.

इसके अलावा 15 जुलाई, 2025 से तत्काल बुकिंग प्रक्रिया के दौरान ओटीपी -आधारित आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य हो जाएगा.

रेलवे ने लिया बड़ा फैसला, महंगे टिकट से लेकर तत्काल के नियमों में बदलाव

0-चेक करें बुकिंग टाइम

नई दिल्ली,25 जून। भारतीय रेलवे कई सालों में पहली बार यात्री ट्रेन के किराए में बढ़ोतरी करने जा रहा है. किराए में मामूली बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2025 से लागू होगी. रिपोर्ट के मुताबिक नॉन-एसी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए यात्री किराए में 1 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की जाएगी. एसी क्लास के किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी.

नॉन-एसी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में 1 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी, जबकि एसी श्रेणी के किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी. 1 जुलाई, 2025 से लागू होने वाले संशोधित किराया के अनुसार उपनगरीय ट्रेनों और मासिक सीजन टिकटों के किराए में कोई बदलाव नहीं होगा. ऑर्डिनरी सेकंड क्लास में 500 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए किराया अपरिवर्तित रहेगा.

हालांकि, 500 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए किराए में 0.5 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी.

रेल मंत्रालय ने 1 जुलाई, 2025 से आईआरसीटीसी वेबसाइट और ऐप के जरिए सभी तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य कर दिया है. 10 जून को एक निर्देश के जरिए घोषित इस कदम का उद्देश्य तत्काल योजना के दुरुपयोग को रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि टिकट वास्तविक उपयोगकताओं को आवंटित किए जाएं.

मंत्रालय ने यह भी घोषणा की है कि 15 जुलाई 2025 से यात्रियों को तत्काल टिकट बुक करते समय आधार-आधारित ओटीपी ऑथेंटिकेशन का एक अतिरिक्त चरण पूरा करना होगा.

प्रोसेस को और सख्त करते हुए 15 जुलाई से तत्काल बुकिंग के दौरान ओटीपी आधारित आधार वैरिफाई स्टेप जोड़ा जाएगा. रेलवे ने अधिकृत बुकिंग एजेंटों पर भी प्रतिबंध लगा दिए हैं.

ये एजेंट अब बुकिंग विंडो के पहले 30 मिनट के दौरान तत्काल टिकट बुक नहीं कर सकते हैं-

एसी क्लास के लिए सुबह 10:00 बजे से 10:30 बजे तक, नॉन-एसी क्लास के लिए सुबह 11:00 बजे से 11:30 बजे तक, एसी क्लास की तत्काल बुकिंग रोज सुबह 10:00 बजे खुलती है. स्लीपर क्लास की तत्काल बुकिंग रोज सुबह 11:00 बजे खुलती है. आईआरसीटीसी वेबसाइट या आधिकारिक आईआरसीटीसी मोबाइल ऐप पर अपने खाते में लॉग इन करें. मेरा अकाउंट सेक्शन पर जाएं. यूजर को ऑथेंसिटी करें पर क्लिक करें और आधार-आधारित सत्यापन पूरा करने के लिए निदेर्शों का पालन करें.अगर आपने यह प्रक्रिया पूरी कर ली है, तो अब आप तत्काल टिकट बुक करने में सक्षम हैं.

राजधानी

अम्बिकावाणी | बैकुण्ठपुर, गुरूवार 26 जून, 2025 | 8

स्थानांतरण पर प्रतिबंध में छूट की अवधि बढ़ी 30 जून तक

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा स्थानांतरण पर प्रतिबंध को 14 जून 2025 से 25 जून 2025 तक शिथिल किया गया है। राज्य शासन एतद्वारा उक्त स्थानांतरण पर प्रतिबंध में छूट की अवधि में संशोधन करते हुए 30 जून 2025 तक निर्धारित करता है। उक्त निर्धारित तिथि में संशोधन के फलस्वरूप जिला स्तर / शासन स्तर पर जारी स्थानांतरण आदेश तथा क्रियान्वयन की स्थिति को दिनांक 30 जून 2025 तक संबंधित जिला/विभाग की वेबसाईट पर अपलोड किये जाएंगे। स्थानांतरण नीति की शेष शर्तें यथावत रहेगी। कृपया उपरोक्त संशोधन अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित किया जाए।

फारेस्ट गार्ड के 1628 पदों पर भर्ती में बड़ा भ्रष्टाचार उजागर

आरटीआई में हुआ खुलासा, जिम्मेदारों पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग

रायपुर। वन रक्षक की भर्ती में हुए गड़बड़झाले में अब एक नया मोड़ आ गया है। युवाओं के भविष्य को बर्बाद होता देख अधिवक्ता विजय मिश्रा ने शिकायत के साथ साथ उक्त भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर सूचना का अधिकार के तहत महत्वपूर्ण जानकारी चाही थी। जो आरोप लगाए गए वह आरटीआई में सही पाए गए। इस पूरे साजिशन खेल में जंगल विभाग के मुखिया की संलिप्तता पाई गई जो लंबे समय से जंगल विभाग में पदस्थ है।

मामले को लेकर अधिवक्ता विजय मिश्रा ने वन एवं जलवायु विभाग के प्रमुख की राज्य सरकार , मुख्य सतर्कता आयुक्त , प्रधानमंत्री कार्यालय में 11 बिन्दुवार शिकायत कर वन रक्षक भर्ती प्रक्रियाओ में गफलत को लेकर सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी थी। अधिवक्ता मिश्रा ने अपने तीन पेज के शिकायत में कहा है कि छत्तीसगढ़ के प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा वन रक्षकों (फॉरेस्ट गार्ड) के 1628 पदों पर भर्ती में बड़ा भ्रष्टाचार किया गया है जिसकी उच्च स्तरीय जांच पुलिस में प्राथिमिकी दर्ज कर की जाए ताकि युवाओं का भविष्य अंधकार में न जाये। इसके लिए अधिवक्ता ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी संलग्न किए है। उन्होंने भारतीय न्याय संहित के सुसंगत धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर इस भर्ती घोटाले की जांच की मांग की है।

आरटीआई में मिली जानकारी अनुसार राज्य में वन रक्षकों की भर्ती हेतु लगभग 1600 पदों पर नवम्बर 2024 से दिसंबर 2024 के बीच फिजिकल टेस्ट विभिन्न वन मंडलों में किया गया था। इसमें लगभग 4 लाख 25 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। उक्त मामले की आरटीआई के तहत जानकारी भी चाही गई। जिसमें भर्ती में नियमों की अनदेखी करते हुए बड़े पैमाने पर धांधली बरती गई . राज्य शासन ने अपने आदेश क्रमांक एफ1-53/2003/10-1/वन, नवा रायपुर दिनांक 21.05.2024 द्वारा वनरक्षकों की भर्ती प्रक्रिया जारी कर फिजिकल टेस्ट 200 मी. दौड़ , 800 मी. दौड़ , लंबी कूद (3 प्रयास), गोला फेंक (3 प्रयास) हेतु अंक निर्धारित किए गए थे। इस आदेश में स्पष्ट लिखा गया था कि शारीरिक क्षमता परीक्षा सूर्योदय से सूर्यास्त के बीच पर्याप्त रोशनी में कराई जायेगी। रात या कृत्रिम प्रकाश में नहीं किंतु कई जिलों में इस निर्देश के विपरीत, कृत्रिम प्रकाश में यह प्रक्रिया अपनाई गई। इतना ही नही शारीरिक परीक्षण हेतु स्पष्ट निर्देश के बावजूद डिजिटल उपकरण प्रणाली स्थापित नहीं की गई।

जंगल विभाग की करतूत से 40 हजार अभ्यर्थी का भविष्य दांव पर

जो 40 हजार अभ्यर्थी है उनका टेस्ट फिर से मशीन से कराए जाने की बात कही जा रही है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या जो 40 हजार अभ्यर्थी मैनुअल टेस्ट में पास हो गए उन्हें फिर से मशीनों में दूसरा टेस्ट देना होगा या जो फेल हुए है उन्हें दुबारा मौका मिलेगा ? फिजिकल टेस्ट के लिए एजेंसी चयन बाबत निविदा की शर्ते राज्य शासन द्वारा जारी की गई थी। इसकी शर्त क्रमांक 04 (एच) यह स्पष्ट लेखबद्ध है कि लंबी कूद, गोला फेंक सहित समस्त अन्य टेस्ट की माप मशीनों द्वारा ली जायेगी, लंबी कूद व गोला फेंक के तीनों प्रयासों का माप मशीन द्वारा ही की जायेगी साथ ही सभी टेस्ट की वीडियो रिकॉर्डिंग की जायेगी, जिसको प्रमाण स्वरुप प्रस्तुत किया जाना होगा। ऐसे स्पष्ट निदेर्शों की अवहेलना करते हुए वन विभाग में भर्ती प्रक्रिया को अंजाम दिया गया.

आरटीआई के तथ्य बताते है कि डिजिटल प्रणाली के लिए एजेंसी नियुक्ति संबंधी निविदा-टेंडर जारी होने के पश्चात टाइमिंग टेक्नोलॉजि इंडिया प्राइवेट लिमिटेड माघापुर को भर्ती प्रक्रिया का कार्य सौंपा गया था। इसके लिए 224 रुपये प्रति उम्मीदवार की दर से भुगतान भी इस एजेंसी को तय किया गया था जबकि करोड़ों के भुगतान और वर्क आर्डर प्राप्त करने के बाद यह कंपनी निर्धारित सेवा नहीं प्रदान कर पाई। नतीजतन भर्ती प्रक्रिया आपारदर्शी और विवादित हो गई। शिकायत के मुताबिक 16 नवंबर 2024 को बीजापुर, दंतेवाड़ा एवं रायगढ़ में जब फिजिकल टेस्ट के लिए उम्मीदवार प्रस्तुत हुए तो डिजिटल उपकरण स्थापित करने वाली ठेका एजेंसी के द्वारा इन जिलों के अलावा ज्यादातर अन्य केन्द्रों में भी मशीनें उपलब्ध नहीं कराई गई। जबकि कुछ गिने-चुने केंद्रों में मांग की तुलना में कम संख्या में उपलब्ध कराई गई मशीने भी सही ढंग से कार्य करते नही पाई गई। यह ठेका कंपनी की सेवा शर्तों के उल्लंघन के दायरे में है।

न्यूज गैलरी

गायत्री नगर जगन्नाथ मंदिर से 27 जून को दोपहर 3 बजे निकलेगी रथयात्रा

राज्यपाल-सीएम छेरा पहरा कर दोपहर 12.30 करेंगे विधिवत शुरूआत

रायपुर। भक्त और भगवान के बीच सीधे संवाद का दूसरा नाम रथयात्रा को दिया गया है। प्रभु जगन्नाथ 15 दिनों की बीमारी के बाद आज स्वास्थ हो गए और कल सुबह नेत्रोत्सव के साथ प्रभु पूरी तरह से स्वस्थ हो जाएंगे और 27 मार्च को अपने भक्तों के दर्शन के लिए निकल पड़ेंगे। 9 दिन मौसी माँ के घर रहने के बाद 5 जुलाई को वापस गायत्री नगर के जगन्नाथ मंदिर पहुंचेगे। इससे पूर्व 27 जून को सुबह 7 बजे प्रभु जगन्नाथ को स्नान कराया जाएगा, 12.15 बजे राज्यपाल रमेन डेका, उनकी धर्मपत्नी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व धर्मपत्नी, विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, शहर के चारों विधायक सहित अन्य गणमान्य नागरिक विशेष आरती में शामिल होंगे। इसके बाद 12.30 बजे राज्यपाल रमेन डेका, उनकी धर्मपत्नी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व उनकी धर्मपत्नी अतिथि हवन कुण्ड में पूणार्हुति के पश्चात छेरा पहरा (रथ के आगे सोने की झाडू से बुहारना) के पश्चात विशेष पूजा अर्चना कर रथ को खींच के भगवान के रथ को रवाना करने की रस्म अदा करेंगे। इसके बाद दोपहर 3 बजे गायत्री नगर जगन्नाथ मंदिर से भगवान श्री जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम एवं बहन सुभद्रा के साथ भक्तों को दर्शन के लिए मौसी के घर बीटीआई ग्राउंड के गुन्डिचा मन्दिर के लिए निकलेंगे। भक्तजनों की बढ़ती हुई संख्या को ध्यान में रखकर श्री जगन्नाथ मन्दिर सेवा समिति ने बड़े पैमाने पर प्रसाद वितरण की व्यवस्था की है। यह जानकारी श्री जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष पुरन्दर मिश्रा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए दी।

मुख्यमंत्री ने रोहतक पहुंचकर स्वर्गीय परमेश्वरी देवी को अर्पित की श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज हरियाणा के रोहतक पहुंचे, जहाँ उन्होंने हरियाणा सरकार के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु के निवास सिंधु भवन पहुंचकर शोक संवेदनाएँ व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कैप्टन अभिमन्यु की पूज्य माताजी श्रीमती परमेश्वरी देवी जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

अंतरिक्ष अभियान में भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि पर : मुख्यमंत्री ने भारतीय गगनयात्री शुभांशु को दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एएक्सआईओएम-4 मिशन की ऐतिहासिक सफलता पर पायलट ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि समूचे देशवासियों की आकांक्षाओं, विश्वास एवं शुभकामनाओं के साथ शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में पहुंचने वाले प्रथम भारतीय बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त करेंगे। यह हम सभी के लिए गौरव और प्रेरणा का क्षण है।

कांग्रेस के आपातकाल ने बेटों को माता, पिता की चिता को अग्नि देने तक नहीं दी - साव

00 लाखों लोगों को जेल, प्रेस की बिजली गुल, न्यायपालिका तक के अधिकार छीने, जबरन नसबंदी आपातकाल के जख्म आज भी जिंदा

रायपुर। कांग्रेस ने 25 जून, 1975 को देश पर आपातकाल थोपकर लोकतंत्र के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात किया लेकिन आज भी वह अपने किए के लिए न तो माफी मांगती है और न ही पछतावा प्रकट करती है। आज 'संविधान बचाओ का नारा देने वाली कांग्रेस वही पार्टी है जिसने संविधान को सबसे पहले और सबसे गहराई से रौंदा था। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता में कहा कि आपातकाल की घोषणा कोई राष्ट्रीय संकट का नतीजा नहीं थी, बल्कि यह एक डरी हुई प्रधानमंत्री की सत्ता बचाने की रणनीति थी, जिसे न्यायपालिका से मिली चुनौती से बौखलाकर थोपा गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'आंतरिक अशांति' की आड़ लेकर अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग किया, जबकि न उस समय कोई युद्ध की स्थिति थी, न विद्रोह और न ही कोई बाहरी आक्रमण हुआ था। पत्रकार वार्ता में रायपुर जिला शहर जिलाध्यक्ष श्री रमेश ठाकुर ,प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी अनुराग अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता उमेश घोरमोड़े, और मीडिया पैनलिस्ट निशिकांत पाण्डेय भी उपस्थित थे।

उन्होंकहा कि कांग्रेस ने आपातकाल काले अध्याय में न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं को रौंदा, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचलकर यह स्पष्ट कर दिया कि जब-जब उनकी सत्ता संकट में होती है, वे संविधान और देश की आत्मा को ताक पर रखने से पीछे नहीं हटते। आज 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है, आज भी सिर्फ तरीकों का बदलाव हुआ है, नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है। साव ने कहा कि आज कांग्रेस में चेहरे बदल गए हैं, लेकिन तानाशाही की प्रवृत्ति और सत्ता का लोभ जस का तस है। 50 वर्ष बाद आज आपातकाल को याद करना इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि यह इतिहास की एक घटना मात्र नहीं बल्कि कांग्रेस की मानसिकता का प्रमाण भी है। राहुल गांधी ने अपनी ही केंद्र सरकार के अध्यादेश को प्रेस कॉन्फ्रेंस में फाड़कर संविधान के प्रति कांग्रेस की इसी अधिनायकवादी सोच का प्रदर्शन किया गया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि जिस संविधान की शपथ लेकर इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनी थीं, उसी संविधान की आत्मा को कुचलते हुए उन्होंने लोकतंत्र को एक झटके में तानाशाही में बदल दिया। तत्कालीन इंदिरा-सरकार ने कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका सहित लोकतंत्र के तीनों स्तंभों को बंधक बनाकर सत्ता के आगे घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। प्रेस की स्वतंत्रता पर ऐसा हमला हुआ कि बड़े-बड़े अखबारों की बिजली काट दी गई, सेंसरशिप लगाई गई और 253 पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया। जो कांग्रेस एक समय प्रेस पर सेंसरशिप थोपती थी, वही आज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फर्जी खबरें फैलाने वालों को खुला संरक्षण देती है और वैचारिक विरोधियों की आवाज दबाने के लिए मुकदमे दर्ज कराती है। साव ने कहा कि मीसा जैसे काले कानूनों के जरिए एक लाख से अधिक नागरिकों को बिना किसी मुकदमे के जेलों में ठूँस दिया गया, जिनमें लोकनायक जयप्रकाश नारायण, अटलबिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और राजनाथ सिंह सहित तमाम वरिष्ठ विपक्षी नेता तो शामिल थे ही, छात्रों तक को जेल में सड? पर मजबूर कर दिया गया था। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि कांग्रेस शासन में लोकतंत्र का ऐसा पतन हुआ कि जेलों में बंद लोगों को अपने परिजनों के अंतिम संस्कार में शामिल होने तक की अनुमति नहीं दी गई और इन लोगों में वर्तमान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तक शामिल थे। उन्होंने खुद खुलासा किया है कि उन्हें उनकी माताजी की अंत्येष्टि में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई। विडम्बना की बात यह है कि आज वही कांग्रेस मोदी-सरकार पर तानाशाही की तोहमत मढ? में लगी है।

शराब पीने के लिए ब्रेसलेट, मोबाइल और आनलाइन रकम लूटने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने निकाला जुलूस

रायपुर। चार दिन पहले शराब पीने के लिए ब्रेसलेट, मोबाइल और आनलाइन रकम लूटने वाले तीन आदतन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जुलूस निकाल कर जेल भेज दिया है। पुरानी बस्ती निवासी दुर्गेश निषाद 22 वर्ष ने रविवार को रिपोर्ट दर्ज कराई थी, वह शनिवार को अपने दोस्त चाहत राठौर के साथ चंद्रशेखर नगर से दंतेश्वरी मंदिर के पास पहुंचा था। जहां शाहरूख पठान, पंकज सिंधी, अज्जू डैनी पहले ही खड़े थे। तीनों ने तुमसे बात करना है कह कर दुर्गेश को अपनी स्कूटी में बैठाकर महराजबंद तालाब नया रोड ले गए। चाहत राठौर उसके बुलेट को पीछे लेकर पीछे-पीछे आया। दोपहर 3:30 बजे शाहरुख पठान अपने जेब से चाकू निकालकर मार डालने का भय दिखाकर बलपूर्वक दुर्गेश के पहने हुए सोने की बाली, हाथ में चांदी का ब्रेसलेट उतारने बोला। मना करने पर शाहरुख पठान पीछे से पकड़ कर लिया। पंकज सिंधी ने कान के बाली, हाथ में पहना चांदी का ब्रेसलेट जबरन निकालकर रख लिया और इसका मोबाइल लेकर पे स्कैनर पर फोन पे के माध्यम से दो बार अलग-अलग यू टी आर से 5000-5000 दूसरे के फोन पर ट्रांफर कर लिया। और धमकी देने लगा कि पुलिस में रिपोर्ट करोगे तो तुम्हें जान से मार डालेंगे। इस प्रकार तीनों ने चांदी का ब्रेसलेट कीमत 4000 सोने का बाली कीमत 24000 फोन पर से ट्रांसफर 10000 कुल 38000 को लूटकर भाग गए। पुरानी बस्ती पुलिस धारा 309 (4),111 (2) दर्ज कर पड़ताल शुरू की।

मुखबीर की सूचना पर तीनों को खो खो तालाब किनारे बैठे पाया गया और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। तीनों ने लूट स्वीकार की और निशानदेही पर लूट के एक पुरानी स्कूटी सीजी 04 एन.जेड.4039 कीमत 25, 000 रुपए, एक चाकू, एक चांदी का ब्रेसलेट कीमत 1650 रुपए, दो मोबाइल कीमत 18000, नगदी 3850 रुपए कुल 48.500 जब्त कर आरोपीयों को आज न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

महापौर और निगम आयुक्त ने किया इंदौर के स्वच्छता नवाचारों का अध्ययन

00 राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा इंदौर में चार दिवसीय अध्ययन सह भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन

00 देखा इंदौर का इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर

रायपुर। नगर निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, आयुक्त श्री विश्वदीप, अधीक्षण यंत्री यूके धलेंद्र, जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू एवं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एक्सपर्ट प्रमित चोपड़ा इंदौर में अध्ययन सह भ्रमण कार्यक्रम में शामिल हुए। छत्तीसगढ़ की संपूर्ण स्वच्छता की मुहिम को बल देने के उद्देश्य से राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) द्वारा इंदौर नगर निगम में यह दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम से प्राप्त अनुभव से प्रतिभागी छत्तीसगढ़ के शहरों में नवाचार एवं सतत शहरी विकास को नई दिशा दे सकेंगे। प्रदेश के सभी 14 नगर निगमों के महापौर, आयुक्त एवं संबंधित अधिकारियों के लिए दो चरणों में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने इंदौर में सिंगल यूज प्लास्टिक बैन का सख्ती से क्रियान्वयन और कठोर जुमार्ने की व्यवस्था की तारीफ की। महापौर और निगम आयुक्त ने आईसीटी बेस्ड मॉनिटरिंग और एनजीओ के माध्यम से की जाने वाली इंदौर की घर-घर कचरा संग्रहण प्रणाली देखी। उन्होंने कचरा पृथक्करण के लिए अपनाए जाने वाले स्वच्छता मॉडल के अलावा शिकायत निवारण एप, जीपीएस-ट्रैक्ड कचरा गाड़ी, वेस्ट ट्रांसफर स्टेशन और जोन आधारित घर-घर कचरा एकत्रण प्रणाली का निरीक्षण भी किया। उन्होंने स्वच्छता मित्रों और आम नागरिकों से संवाद कर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में जनभागीदारी को समझा। इंदौर के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) जाकर वहां की कार्यप्रणाली को भी समझा। साथ ही 311 शिकायत निवारण एप का अवलोकन कर रियल-टाइम शिकायत निवारण प्रणाली के बारे में जाना। उन्होंने ट्रांसफर स्टेशन, आरआरआर (रिड्यूस-रीयूज-रीसाइकल) सेंटर, बायोगैस प्लांट एवं मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) का दौरा कर इंदौर की विकेन्द्रित और कुशल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को समझा। साथ ही इंदौर के महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव से भेंट कर स्वच्छता में जनसहभागिता और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका, ग्रीन बॉन्ड एवं यूजर चार्जेस जैसे शहरी वित्त के अभिनव मॉडलों पर चर्चा की। वहीं, जीरो वेस्ट वार्ड तथा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का दौरा किया गया जहां तरल अपशिष्ट के प्रसंस्करण एवं पुनः उपयोग प्रक्रिया को विस्तार से समझा।

छत्तीसगढ़ की खनिज विविधता है देश की आर्थिक समृद्धि का आधार - खनिज सचिव दयानंद

0 छत्तीसगढ़ में सामरिक एवं रणनीतिक खनिजों के दोहन पर तकनीकी सहित विभिन्न पहलुओं पर हुई विस्तृत चर्चा, 0 निवेश और औद्योगिक विकास को गति मिलने की संभावना

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में उपलब्ध सामरिक एवं रणनीतिक महत्व के खनिजों के सुव्यवस्थित अन्वेषण एवं दोहन के संबंध में राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस के कन्वेंशन हॉल में एकदिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के सचिव एवं खनिज संसाधन विभाग के सचिव श्री पी. दयानंद ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से परिपूर्ण एक समृद्ध राज्य है, जहाँ 28 प्रकार के प्रमुख खनिज जैसे–कोयला, चूना पत्थर, डोलोमाइट, लौह अयस्क, बाक्साइट, टिन अयस्क के साथ-साथ लीथियम, कोबाल्ट तथा रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे सामरिक एवं परमाणु महत्व के खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि नेशनल प्रोग्राम ऑन एक्सप्लोरेशन स्ट्रैटेजी तथा नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित प्रयासों को और अधिक गति प्रदान करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसका लक्ष्य राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना तथा राज्य में रणनीतिक खनिज परियोजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन की दिशा में ठोस कदम उठाना है। इस कार्यशाला का आयोजन खनिज संसाधन विभाग तथा छत्तीसगढ़ भूविज्ञान एवं खनन संचालनालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इसका उद्देश्य भारत की क्रिटिकल मिनरल्स क्षमता के समुचित दोहन हेतु वैज्ञानिक अन्वेषण तकनीकों को प्रोत्साहित करना, प्रस्ताव प्रस्तुतिकरण प्रणाली को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना तथा राष्ट्रीय स्तर की रणनीतिक अन्वेषण नीतियों में राज्य की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के श्री रविकांत गुप्ता ने छत्तीसगढ़ की भूवैज्ञानिक विशेषताओं एवं ओजीपी क्षेत्रों की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड के श्री भुवनेश्वर कुमार ने लीथियम, कोबाल्ट, ग्रेफाइट, निकल, टंगस्टन, फॉस्फेट जैसे खनिजों की खोज हेतु आधुनिक भू-भौतिकीय एवं भू-रासायनिक तकनीकों पर आधारित प्रस्तुति दी, जिससे अधिकारियों को नवीनतम विधियों की जानकारी प्राप्त हुई। एनएमईटी से श्री अक्षय वर्मा ने प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया, वित्तीय सहायता एवं अनुदान नीतियों की जानकारी साझा करते हुए एनएमईटी के अंतर्गत उपलब्ध अवसरों को रेखांकित किया और राज्य की अधिक सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया।

वैश्विक खनिज आपूर्ति श्रृंखला में छत्तीसगढ़ की भूमिका पर बल

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया कि छत्तीसगढ़ की खनिज विविधता और गुणवत्ता इसे वैश्विक खनिज आपूर्ति श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण कड़ी बना सकती है। उन्होंने सुझाव दिया कि खनिज उत्पादन, बाजार मांग और भविष्य की संभावनाओं के बीच संतुलन स्थापित कर राज्य खनिज आधारित औद्योगिक विकास का नेतृत्व कर सकता है। समापन सत्र में राज्य में अब तक किए गए खनिज सर्वेक्षणों, उनके निष्कर्षों एवं प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने तकनीकी दक्षता तथा अंतर-विभागीय समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। भूविज्ञान एवं खनन संचालनालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि खनिज संसाधन किसी भी राज्य की आर्थिक प्रगति का मूल आधार होते हैं। कार्यशाला ने यह स्पष्ट किया कि पारदर्शी, तकनीकी रूप से सक्षम एवं समयबद्ध प्रक्रियाएं अपनाकर छत्तीसगढ़ न केवल निजी एवं सार्वजनिक निवेश को आकर्षित कर सकता है, बल्कि राष्ट्रीय रणनीतिक खनिज नीति में भी अग्रणी भूमिका निभा सकता है। सभी प्रतिभागियों ने खनिज आधारित सतत औद्योगिक विकास हेतु संयुक्त प्रयास और दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर कार्यशाला में आईआईटी धनबाद के प्रो. साहेंद्र सिंह, आईबीएम के श्री प्रेम प्रकाश, संचालक श्री रजत बंसल, संयुक्त संचालक श्री अनुराग दीवान एवं श्री संजय कनकाने सहित विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय एजेंसियों, अनुसंधान संस्थानों, नीति सलाहकारों एवं तकनीकी विशेषज्ञों ने सहभागिता की।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित 0 प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98◆ डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर05/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com